राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,11अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -255 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुल कोरोना मामलों में केवल 13 प्रतिशत एक्टिव केस

नई दिल्ली। भारत कोरोना वायरस बीमारी (कोविद -19) मामलों की संख्या के मामले में सात मिलियन के स्तर की ओर बढ़ रहा है, लेकिन दैनिक संख्या धीरे-धीरे गिर रही है।और कुछ और अच्छी खबरों में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में सक्रिय मामलों की संख्या एक महीने में पहली बार नौ लाख से कम हो गई है। मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि ये कुल केस लोड का केवल 12.94 प्रतिशत हिस्सा है। सक्रिय मामलों के प्रतिशत में गिरावट ठीक होने वाले मामलों के बढ़ते प्रतिशत के कारण है। भारत में रिकवरी ने लगातार तीन सप्ताह तक नए मामलों की संख्या को पार कर लिया है। मंत्रालय ने कहा कि 9 सितंबर को देश में 8.97 लाख सक्रिय मामले थे। देश में अब तक कुल 59,06,069 लोग कोविड -19 से रिकवर कर चुके हैं और ये 50,12,477 सक्रिय मामलों से अधिक है। यह केंद्र और राज्य के केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अधिक टेस्ट, ट्रैकिंग, त्वरित अस्पताल में भर्ती करने और मानक उपचार प्रोटोकॉल का पालन करने की रणनीति के तहत सहयोगात्मक कार्रवाई का परिणाम है, जिसने सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में चिकित्सा देखभाल के मानकीकृत गुणवत्ता और घरेलू अलगाव के मामलों को सुनिश्चित किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, रिकवरी की अधिक संख्या ने राष्ट्रीय सुधार दर को 85.52 प्रतिशत तक बेहतर किया है। इस बीच, 70,496 नए मामलों और 964 मौतों के साथ, भारत का कोविड-19 मरीजों की संख्या शुक्रवार को 69,06,152 पर पहुंच गई। महाराष्ट्र सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य है क्योंकि इसमें संक्रमण के 12,134 नए मामले और 302 मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राज्य में कुल मामले बढ़कर 15,06,018 हो गए हैं।

कृषि कानूनों पर बटे राजनीतिक दल, खेती- किसानी बनेगा बिहार विधानसभा चुनाव 2020 का बड़ा मुद्दा

पटना। बिहार का चुनाव लंबे समय के बाद घोटालों, रोजगार और भ्रष्टाचार से इतर अन्य मुद्दों पर भी शास्त्रार्थ का गवाह बनेगा। इसमें खेती किसानी भी बड़ा मुद्दा होगा। चुनाव के ठीक पहले तीन कृषि कानून बनाकर केन्द्र सरकार ने हवा दे दी है। इन कानूनों पर बिहार समेत पूरा देश दो ध्रुवों में बंटा है।

सत्ताधारी दल बेशक इसका तरफदार है तो विरोधी पार्टियां इसे किसानों के गर्दन पर चाकू चलाने जैसा मानती हैं। बिहार में 2006 से ही यह कानून लागू है, लेकिन इस बार इसे मुद्दा बनने का मौका मिला है।

लोकसभा चुनाव में मसला कुछ अलग रहता है। सत्ता पक्ष भी जान रहा है कि उन मसलों के आधार पर विधानसभा चुनाव जीतना आसान नहीं होता है। लिहाजा कोरोना और प्रवासी मजदूरों की बात छोड़ दें तो किसान इसबार के चुनाव में फोकस बिन्दु बनने वाले हैं। टिकट की आपाधापी खत्म होते ही दोनों पक्ष एक बार फिर इसके श्वेत-श्याम पक्ष के साथ किसानों के बीच उतरेंगे। ऐसे में कौन अपने समर्थन में किसानों को गोलबंद कर पाएगा यह तो चुनाव बाद पता चलेगा, लेकिन उनको रिझाने की हर कोशिश चुनाव पहले से ही शुरू है।

▶▶ कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने इस मसले पर आंदोलन की शुरुआत चुनाव की घोषणा के साथ ही कर दी है। सत्ताधरी दल की ओर से राज्य के कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार और पूर्व केन्द्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह को किसानों की बीच 'सच' ले जाने का भार सौंपा है। बहरहाल किसानों को लामबंद करने की कवायद अब शुरू हो गई है।

केन्द्र के इन तीन कानूनों का असर राजनीतिक दलों पर ऐसा हावी हुआ कि कांग्रेस किसानों की 'कर्ज माफी' भी भूल गई और भाजपा कृषि उत्पादों की कीमत दूना करने पर भी चर्चा नहीं कर रही है। हालाकि भाजपा इतना जरूरत कह रही है कि नये कानून से किसानों को लाभ होगा। जदयू भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 15 साल में कृषि विकास के लिए किये गये कार्यों की चर्चा करने से नहीं चूक रहा है। वह नये कानूनों के समर्थन में भी खड़ा है। पांच बार बिहार को मिले कृषि कर्मण पुरस्कार की चर्चा के बहाने किसानों की पीठ थपथपाने के साथ सरकार की योजनाओं को भी भुनाने का प्रयास शुरू हो गया है। किसान सम्मान योजना की चर्चा के साथ बीमा योजना को खत्म कर राज्य सरकार द्वारा चलाई गई अपनी फसल सहायता योजना और बाढ़-सुखाड में मिलने वाले इनपुट अनुदान की चर्चा भी सत्ताधारी दल करने लगे हैं।

नये कानूनों को सत्ताधारी दल के उम्मीदवार व बड़े नेता किसानों की स्वतंत्रता का मूल मंत्र बताते हैं। उनके अनुसार किसानों को अपने उत्पाद की कीमत तय करने की स्वतंत्रता मिलेगी तो किसान अपना अनाज देश की किसी मंडी में बेच सकेंगे। इससे उलट विपक्ष में खड़े लोग इस सवाल से सत्ता पक्ष को घेरते हुए किसानों को 'सच' बताने में लगे हैं कि सरकार बताये अभी किस कानून से किसान दूसरी मंडियों में अनाज नहीं बेच पाते हैं। राज्य में किसानों के पास औसत दो एकड़ ही जमीन है। इतने छोटे किसान कैसे अपना अनाज बेचने बाहर जाएंगे। उनका आरोप यह भी है केन्द्र सरकार इन नये कानूनों के सहारे किसानों की जमीन को अपने चहेते लोगों के हाथों में गिरवी रखने की साजिश कर रही है। साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था को खत्म करना चाहती है।

कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने इस मसले पर आंदोलन की शुरुआत चुनाव की घोषणा के साथ ही कर दी है। सत्ताधरी दल की ओर से राज्य के कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार और पूर्व केन्द्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह को किसानों की बीच 'सच' ले जाने का भार सौंपा है। बहरहाल किसानों को लामबंद करने की कवायद अब शुरू हो गई है। लेकिन चुनाव में किसका तर्क किसानों को अपनी ओर अकर्षित करेगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि इस बार के चुनाव में किसान और कृषि विकास एक बड़ा मुद्दा बनेगा।

कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले के चिंगम इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। आगे का विवरण निम्नलिखित होगा। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने ये जानकारी दी है।

इससे पहले बुधवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रातभरी चली मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि सुबह तीसरे आतंकवादी को भी ढेर कर दिया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने मंगलवार शाम जैनापोरा इलाके के सुगान गांव में तलाश अभियान शुरू किया था।

उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाने से अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 12 घंटे से अधिक समय तक चली मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की पहचान की जा रही है और उनके संगठन के बारे में पता लगाया जा रहा है। पिछले कुछ समय से सुरक्षाबल लगातार कश्मीर में आतंकियों का सफाया कर रहे हैं। इस वजह से आतंकियों की छटपटाहट बढ़ गई है। सेना के जवानों ने घाटी में कई बड़े आतंकियों को ढेर किया है। टॉप कमांडरों के मारे जाने से आतंकी संगठनों में खौफ है। आतंकियों का गढ़ रहे शोपियां में भी इनकी संख्या काफी कम रह गई है।

100 रुपये के सिक्के पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया

12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे अनावरण

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया की 100वीं जन्म जयंती पर 12 अक्टूबर को 100 रुपये के सिक्के का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। प्रदेश की कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने ट्वीट कर यह जानकारी दी।

सिक्के के एक तरफ राजमाता विजयाराजे सिंधिया का फोटो है जिस पर ऊपर हिंदी व नीचे अंग्रेजी में विजया राजे सिंधिया की जन्म शताब्दी के साथ उनकी जन्म का साल 1919 व जन्म शताब्दी वर्ष 2019 अंकित है। दूसरी तरफ अशोक स्तंभ के दोनों तरफ हिंदी और अंग्रेजी में भारत लिखा है व अशोक स्तंभ के नीचे अंकों में रुपये 100 लिखा है।

श्रीमती विजया राजे सिंधिया की जन्म शताब्दी

जन और जनसंघ का सम्मान

राजमाता विजयाराजे सिंधिया की पुत्री एवं मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने सिक्के के साथ प्रधानमंत्री का आभार जताने के लिए ट्वीट किया कि उदार है आपका हृदय, ऐतिहासिक परख से भरी है आपकी दृष्टि मेरी मां राजमाता विजयाराजे सिंधिया की स्मृति में 100 रुपये के सिक्के का अनावरण 12 अक्टूबर को उनकी 100वीं जयंती पर करने जा रहे हैं। आपने जन और जनसंघ दोनों की भावनाओं का सम्मान किया है।

अनावरण की टाइमिंग को लेकर उलझन

वहीं सिक्के के अनावरण की टाइमिंग को लेकर उलझन है, क्योंकि राजमाता का जन्म 1919 है तो पिछले वर्षं यानी 2019 में उनका जन्म शताब्दी वर्षं होना चाहिए। यह सिक्का पिछले वर्षं ही अनावृत हो जाना चाहिए था।

कोरोना संकट-गुजरात में नवरात्रि पर नहीं होगा गरबा

अहमदाबाद। कोरोना के मद्देनजर गुजरात सरकार ने आगामी नवरात्रि पर्व के दौरान राज्य में गरबा कार्यक्रमों के आयोजनों पर रोक लगा दी है। नवरात्रि का पर्व इस बार 17 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। राज्य सरकार ने कहा कि नवरात्रि के दौरान राज्य में किसी तरह के गरबा कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी जाएगी। मानक संचालन प्रक्रिया भी जारी की गई है, जिसमें कोरोना को फैलने से रोकने के लिए लोगों से उचित व्यवहार करने पर जोर दिया गया है। सरकार सामूहिक पूजा की इजाजत देगी, लेकिन इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या 200 से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रार्थना का समय एक घंटा निर्धारित किया गया है। सामुदायिक पूजा कार्यक्रमों के लिए भी पहले मंजूरी लेनी होगी।

नवरात्रि से दीपावली तक आयोजनों पर रोक-राज्य सरकार ने कहा कि नवरात्रि से लेकर दीपावली तक रावण का पुतला जलाने, रामलीला यात्रा, रैली, मेला, प्रदर्शनी के आयोजन की इजाजत नहीं होगी। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत विवाह या अंत्येष्टि जैसे मौके पर सौ लोग एकत्रित हो सकते हैं।

मानक संचालन प्रक्रिया भी जारी की गई है, जिसमें कोरोना को फैलने से रोकने के लिए लोगों से उचित व्यवहार करने पर जोर दिया गया है। सरकार सामूहिक पूजा की इजाजत देगी

अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए रोपवे बनवाने पर विचार, भूमि पूजन के बाद 100 करोड़ से ज्यादा का चंदा प्राप्त हुआ

अयोध्या। अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता प्रदान करने के लिहाज से रोपवे बनवाने के लिए अधिकारी यूरोप की कुछ कंपनियों से बातचीत कर रहे हैं। नगर निगम के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार उसे पांच अगस्त को 'भूमि पूजन' समारोह के बाद से अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक का चंदा प्राप्त हुआ है। अयोध्या नगर निगम के आयुक्त विशाल सिंह ने कहा, ''हम अयोध्या में रोपवे बनवाने के लिए कुछ यूरोपीय कंपनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि रोपवे का एक छोर मंदिर परिसर में या पास की किसी जगह में होगा वहीं दूसरा बिंदु श्रद्धालुओं की सुविधा के लिहाज से शहर में किसी उचित स्थान पर होगा। सिंह ने कहा, ''हम दूसरे बिंदु के लिए जल्द उचित स्थान तलाश लेंगे।'' राम जन्मभूमि न्याय के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने कहा कि बैंक खातों में जमा हुई 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि के अलावा उसे विदेशी मुद्रा में भी दान मिला है जिसका अभी विनिमय नहीं हुआ है। इसके अलावा 200 किलोग्राम चांदी और अन्य बहुमूल्य धातु मिली हैं। गुप्ता ने कहा कि मंदिर निर्माण की गति बढ़ गयी है और तीन किलोमीटर दूर कार्यशाला से तराशे गये पत्थर मंदिर परिसर में लाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार से तीन क्रेनों, दस ट्रकों की मदद से पत्थर लाने का काम शुरू कर दिया गया और इस काम में 50 श्रमिक लगे हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार पर बढ़ रहा है मंत्रिमंडल विस्तार का दबाव, 5 मंत्री संभाल रहे हैं 3-3 मंत्रालय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी मंत्रिपरिषद के विस्तार का दबाव बढ़ने लगा है। अपने दूसरे कार्यकाल के सवा साल में सरकार से चार मंत्री कम हो गए हैं। इनमें तीन कैबिनेट मंत्री शामिल हैं। इससे मौजूदा मंत्रियों पर काम का दबाव बढ़ा है। एक मंत्री के पास चार मंत्रालय है, जबकि पांच मंत्री तीन-तीन मंत्रालयों को संभाल रहे हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 मई 2019 को नए मंत्रिमंडल के साथ अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया था। मोदी के साथ 57 मंत्रियों ने शपथ ली थी, इनमें 24 कैबिनेट, नौ राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 24 राज्य मंत्री शामिल थे। तब से अब तक सवा साल के कार्यकाल में सरकार का एक भी विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ है। जबकि चार मंत्री कम हो गए हैं।

दो मंत्रियों के इस्तीफे, दो का निधन

दरअसल, भाजपा के दो सहयोगी दलों शिवसेना और अकाली दल ने सरकार से नाता तोड़ा और दोनों के एक-एक कैबिनेट मंत्री ने सरकार से इस्तीफा दे दिया। शिवसेना के अरविंद

सावंत और अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल ने अपने इस्तीफे दिए थे। अब लोजपा नेता रामविलास पासवान के निधन के बाद एक और कैबिनेट मंत्री का पद रिक्त हो गया है। इसके पहले रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगाड़ी के निधन से सरकार में एक पद खाली हुआ था।

कुछ मंत्रियों का काम बढ़ा

इसके चलते कुछ मंत्रियों पर काम का बोझ बढ़ा है। उन्हें एक साथ कई मंत्रालय संभालने पड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पास चार मंत्रालय कृषि, ग्रामीण विकास, पंचायती राज और उपभोक्ता एवं खाद्य मंत्रालय हैं। जबकि पांच मंत्री रविशंकर प्रसाद, डॉ हर्षवर्धन, पीयूष गोयल, प्रह्लाद जोशी और प्रकाश जावड़ेकर तीन-तीन मंत्रालयों को संभाल रहे हैं। मोटे तौर पर सरकार में लगभग 70 मंत्रियों के साथ कामकाज होता है और पिछली मोदी सरकार में भी लगभग इतने ही मंत्री काम कर रहे थे।

भाजपा संगठन में बदलाव का भी होगा असर

आमतौर पर सरकार गठन के एक साल में मंत्रिमंडल का विस्तार और फेरबदल होता है, लेकिन इस बार सरकार को सवा साल से ज्यादा का समय हो गया है। इस बीच कोरोना संक्रमण के चलते कई चीजें बदली हैं और कामकाज के तरीके से लेकर अन्य बदलाव भी किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार और फेरबदल होने की संभावना है। हाल में भाजपा संगठन की नई टीम आने के बाद भाजपा के भी कुछ नेताओं को सरकार में जगह मिलने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सफल रुद्रम

रक्षा के मोर्चे पर हमारे देश का कदम-दर-कदम सशक्त होना सुखद ही नहीं, बल्कि गौरवान्वित करने वाला सिलसिला भी है। शुक्रवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। भारत निर्मित एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम का परीक्षण पूरी तरह से सफल होना यह साबित करता है कि भारत की वायु सेना पहले की तुलना में और अधिक शक्तिशाली होने जा रही है। युद्धक विमान तो मात्र वाहन की तरह हैं, फर्क इस बात से पड़ता है कि युद्धक विमानों को हमने किन आधुनिक हथियारों से लैस कर रखा है। जैसे रुद्रम का परीक्षण सुखोई-30 एयरक्राफ्ट के जरिए किया गया है। रुद्रम विमानों में तैनात की जाने वाली ऐसी पहली भारतीय मिसाइल है, जो किसी भी ऊंचाई से दागी जा सकती है। यह मिसाइल किसी भी तरह के सिग्नल और रेडिएशन को न केवल पकड़ सकती है, बल्कि उसे नष्ट भी कर सकती है। युद्ध की तैयारियों में जुटे अनेक देश ऐसे हथियारों को विकसित करने में लगे रहते हैं, ताकि युद्ध के शुरुआती चरण में ही दुश्मन के सिग्नल और रडार को नष्ट किया जा सके। दुनिया में आज जितने भी आक्रामक देश हैं, सभी ने अपनी-अपनी सीमाओं पर रडार और निगरानी तंत्र को मजबूत कर रखा है। ऐसे में, भारत के लिए रुद्रम का विकास अनिवार्य हो गया था। ध्वनि की गति से भी दोगुनी रफ्तार के साथ यह मिसाइल प्रहार संभव है। भारत के रक्षा वैज्ञानिकों को इस कामयाबी का इंतजार था। बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के तट से दूर, परीक्षण रेंज बालासोर में सुबह लगभग 10.30 बजे इसका परीक्षण सफल होते ही वैज्ञानिकों में खुशी की लहर का दौड़ना वाजिब है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए हमारे वैज्ञानिक बधाई के हकदार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उचित ही उनकी पीठ थपथपाई है। अब हम दुश्मन के वायु रक्षा ढांचे को बर्बाद करने में सक्षम होने की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। इससे भारतीय वायु सेना के युद्धक विमानों को प्रभावी ढंग से अपने मिशन को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस मिसाइल का उपयोग 500 मीटर से 15 किलोमीटर तक की ऊंचाई से किया जा सकता है और 250 किलोमीटर की सीमा के भीतर विकिरण उत्सर्जन लक्ष्य को निशाना बनाया जा सकता है। हवा से जमीन तक वार करने में कारगर यह एंटी रेडिएशन मिसाइल कई प्रकार के विकिरण पकड़ने की क्षमता रखती है। खास बात यह कि प्रक्षेपण से पहले भी इसका लक्ष्य तय हो सकता है और प्रक्षेपण के बाद भी इसे लक्ष्य देना मुमकिन है। यह इतनी विकसित मिसाइल है कि इसके छूटने के बाद अगर दुश्मन अपना रडार बंद कर दे, तो भी वह हमले से बच नहीं सकता। इस परीक्षण के सफल होने के बाद उम्मीद करनी चाहिए कि जल्द ही हमारे युद्धक विमानों में इसकी तैनाती होगी। सुखोई और स्वदेशी तेजस में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेशक, डीआरडीओ के लिए ये खुशी के पल हैं, लेकिन अभिभूत होने की जरूरत नहीं। भारत को सुरक्षित बनाने की दिशा में बहुत काम बाकी हैं। हम प्रतिकूल परिस्थितियों से घिरते जा रहे हैं। हमें उस दिशा में और तेजी से बढ़ना होगा, जहां हमें विदेश से एक भी मिसाइल या विमान खरीदने की जरूरत न पड़े। हमारी सामरिक आत्मनिर्भरता हमें आर्थिक व सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मददगार होगी।

आज के ट्वीट

प्रतिबन्ध

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल प्रदेश के जिलों में पहले से ही पटाखों के उपयोग पर प्रतिबन्ध है। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग ने पटाखों के उपयोग को प्रतिबन्धित करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं।

-- मु. अशोक गहलोत

आयेगी तो असरदार रहेगी कोविड की वैक्सीन

मुकुल व्यास

वैज्ञानिकों ने आश्वस्त किया है कि कोरोना वायरस में बहुत धीमी गति से म्यूटेशन हो रहा है। ध्यान रहे कि आनुवंशिक कोड में होने वाले परिवर्तन को म्यूटेशन कहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगाया है कि वायरस के आनुवंशिक कोड में होने वाले परिवर्तनों से वह ज्यादा संक्रामक या घातक नहीं हो रहा है। इस नये अध्ययन से यह भरोसा भी पैदा होता है कि जो व्यक्ति एक बार वायरस से संक्रमित हो चुके हैं, वे दोबारा संक्रमित होने से बचे रहेंगे। इससे यह उम्मीद भी जगती है कि वैक्सीन जब भी तैयार होगी, वह असरदार होगी। अध्ययन के लेखकों ने साथ ही इन म्यूटेशनों पर निरंतर सतर्कता बरतने का आग्रह किया है क्योंकि इनसे वायरस दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध उत्पन्न कर सकते हैं या निदान के टेस्टों से बच निकल सकते हैं। ब्रिटेन की रॉयल सोसायटी के विशेषज्ञों द्वारा किए गए इस अध्ययन के अन्य निष्कर्षों से यह साबित होता है कि यह वायरस कुदरती रूप से चमगादड़ों में विकसित हुआ है। यह किसी प्रयोगशाला में नहीं बना है जैसा कि कुछ हलकों में दावा किया जा रहा है। रॉयल सोसायटी की टीम में ब्रिटेन के प्रमुख वायरस वैज्ञानिक शामिल थे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस में म्यूटेशनों के स्थान और उनके स्वरूप से उसकी घातकता पर कोई असर नहीं पड़ा है। कुछ विशेषज्ञों ने पहले कहा था कि वायरस में म्यूटेशन हो रहा है, उसकी तीव्रता कम हो रही है लेकिन वह ज्यादा संक्रामक हो रहा है। अब इन नये निष्कर्षों की रोशनी में इस थ्यूरी को पूरी तरह से खारिज किया जा सकता है। महामारी के इस दौर में वायरस में उभरने वाले म्यूटेशनों ने कुछ ऐसे निशान छोड़ दिए हैं, जिनके आधार पर रिसर्चर वायरस के प्रसार को ट्रैक कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए नीति योजनाकार वायरस के प्रसार को रोकने के उपाय कर सकते हैं। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक जैफी स्मिथ ने कहा कि यह एक अच्छी खबर है कि कोरोना वायरस अभी तक स्थिर साबित हुआ है क्योंकि ऐसे वायरस को डिटेक्ट करना और उसका इलाज करना बहुत आसान होता है जो स्थिर होता है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण जीन सिकवेंसिंग से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि वायरस की कौन-सी किस्म (स्ट्रेन) से संक्रमण हुआ है और संक्रमण का स्रोत कौन है। इससे हमें वायरस की उन किस्मों को ट्रैक करने में भी मदद मिलती है जो प्रबल हो गई हैं और ज्यादा कुशलता के साथ रेप्लिकेट या प्रसारित होंगी। इस अध्ययन के लेखकों को पूरा भरोसा है कि वायरस के वर्तमान रूप में यह बीमारी ज्यादा तीव्र या संक्रामक नहीं हो रही है। इस अध्ययन के तहत विशेषज्ञों ने यह पता लगाने की कोशिश की कि यह वायरस ब्रिटेन में कहां से आया। इसके पश्चात उन्होंने इसकी आनुवंशिक उत्पत्ति की पड़ताल की। उनका कहना है कि सार्स कोव-2 और दूसरे कोरोना वायरसों के बीच बड़े अंतर को देखकर यह बात विश्वासपूर्वक कही जा सकती है कि यह लैब में निर्मित नहीं किया गया है और न ही यह दुर्घटनावश लैब से बाहर निकला है। अध्ययन में इस बात की पुष्टि की गई कि यह वायरस या तो चमगादड़ों से सीधे या किसी मध्यस्थ जानवर के जरिए मनुष्यों में दाखिल हुआ है। प्रो. स्मिथ ने कहा कि जब भी कोई नया वायरस प्रकट होता है तो लोग उसकी उत्पत्ति के बारे में तरह-तरह की अटकलें लगाने लगते हैं। इस वायरस के बारे में आज भी कुछ लोग इसकी कृत्रिम उत्पत्ति की बात पर अड़े हुए हैं। प्रो. स्मिथ ने कहा कि दुनिया के वैज्ञानिकों ने सार्स कोव-2 की आनुवंशिकी को समझने में जो तत्परता दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। इससे हमें वायरस के प्रसार का पता लगाने, निदान के तरीके खोजने तथा वैक्सीनें विकसित करने में मदद मिली है। इस बीच, दो नए अध्ययनों में वैज्ञानिकों ने यह पता लगाने की कोशिश की है कि कोरोना वायरस के कुछ मरीजों में बीमारी बहुत गंभीर क्यों हो जाती है। कुछ मरीजों में बहुत हल्के लक्षण दिखते हैं जबकि कुछ की हालत बिगड़ने लगती है। दो नये विश्लेषणों से पता चलता है कि मरीजों की प्रतिरक्षा प्रणाली में कुछ कमजोर बिंदुओं की वजह से कोरोना ज्यादा उग्र रूप धारण कर लेता है। गंभीर कोविड के जिन मरीजों का अध्ययन किया गया, उनमें से कम से 3.5 प्रतिशत मरीज ऐसे थे, जिनके शरीर की वायरसरोधी प्रतिरक्षा प्रणाली के जीनों में म्यूटेशन अथवा परिवर्तन हो गया था। गंभीर मामलों के लगभग 10 प्रतिशत मरीजों ने आटो एंटीबॉडीज उत्पन्न की जो हमलावर वायरस से लड़ने के बजाय शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर ही हमले करने लगी। अमेरिका में रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के रिसर्चर ज्या-लारें केसेनोवा का कहना है कि बहुत सारे मरीजों में नुकसानदायक एंटीबॉडीज देख कर हमें बहुत हैरानी हुई है। उन्होंने कहा कि इन दो अध्ययनों के जरिए पहली बार हमने यह समझाने की कोशिश की है कि कोविड कुछ मामलों में ज्यादा घातक क्यों हो जाता है जबकि इसी वायरस के शिकार होने वाले अधिकांश मरीजों में बहुत मामूली लक्षण दिखते हैं और वे ठीकठाक रहते हैं। केसेनोवा ने कहा कि कोविड के निदान और उपचार के लिए नये निष्कर्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई मरीज पॉजिटिव निकलता है तो उसकी आटो एंटीबॉडीज का टेस्ट भी होना चाहिए। यदि दूसरा टेस्ट भी पॉजिटिव निकलता है तो डॉक्टरों को इसका भी उपचार करना चाहिए। यदि ब्लड से इन एंटीबॉडीज को हटा दिया जाए तो बीमारी के लक्षणों को कम करना संभव है। केसेनोवा की टीम ने फरवरी से दुनिया के डॉक्टरों के सहयोग से कोविड के मरीजों को सूचीबद्ध करना आरंभ किया। उस समय उन्होंने गंभीर लक्षणों वाले मरीजों पर ध्यान केंद्रित किया। वे यह देखना चाहते थे कि क्या उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली में ऐसी कोई कमजोरी तो नहीं है, जिसकी वजह से वायरस उन्हें ज्यादा परेशान कर रहा है। उन्होंने मरीजों की जीनों की पड़ताल की। उन्होंने मुख्य रूप से उन 13 जीनों को चुना जो इन्फ्लुएन्जा के खिलाफ 'इंटरफेरोन इम्यूनिटी' में मुख्य भूमिका निभाते हैं। स्वस्थ लोगों में इंटरफेरोन मॉलिक्यूल्स शरीर की सुरक्षा प्रणाली के रूप में काम करते हैं। वे हमलावर वायरसों और बैक्टीरिया को डिटेक्ट करके अलार्म बजाने का काम करते हैं। इसके बाद शरीर के दूसरे रक्षक भी मैदान में आ जाते हैं। केसेनोवा की टीम ने पिछले अध्ययन में उन आनुवंशिक म्यूटेशनों का पता लगाया था जो इंटरफेरोन के उत्पादन और फंक्शन में रुकावट पैदा करते हैं। ऐसे म्यूटेशनों वाले लोग कुछ रोगाणुओं के शिकार हो सकते हैं। कोविड के मरीजों में इसी तरह के म्यूटेशन मिलने के बाद टीम ने यह राय बनाई कि इस तरह के म्यूटेशन डॉक्टरों को बीमारी के गंभीर लक्षणों वाले मरीजों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं। इससे कोविड के बेहतर इलाज के लिए दिशानिर्देश भी तय किए जा सकते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

भक्ति

जग्गी वासुदेव/ भारतीय संस्कृति में यह बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आप किसी मंदिर में जाएं। हर कोई, वो चाहे जहां हो, एक पल में, किसी भी चीज को भगवान बना सकता है। यह एक अद्भुत तकनीक है, निर्माण करने की एक जबरदस्त कुशलता है। किसी पत्थर के टुकड़े को भी भगवान बनाया जा सकता है और आप देखेंगे कि कल सुबह हजारों लोग उसकी पूजा कर रहे होंगे। एक पत्थर के टुकड़े के सामने भी झुक जाने की इनकी इच्छा गजब की है। किसी के सामने झुक जाने के लिए तैयार रहना इनके लिए इतना आसान है, पर साथ ही यह एक शक्तिशाली साधन रहा है। कोई पेड़, फूल, पत्थर, लकड़ी-कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है-लोग उसके आगे परम श्रद्धा से झुकने के लिए तैयार रहते हैं। इस सरल सी तैयारी ने भारत में भौतिकता के पार जाने वाले सबसे ज्यादा लोग तैयार किए। यही कारण है कि इस जमीन और इस संस्कृति को अनगिनत आत्मज्ञानी मिले। सारी दुनिया में, कहीं भी, अगर लोगों को झुकना है तो उनके आगे एक खास तरह का आकार होना चाहिए, नहीं तो वे नहीं झुक सकते। पर अगर आप एक पत्थर या छड़ी, एक कीड़े या चिड़िया के सामने झुकने को तैयार हैं तो उनमें से कोई भी आपके लिए एक रास्ता बन सकता है, और आपके लिए कोई दरवाजा खोल सकता है-फिर आपके लिए संभावनाओं का कोई अंत नहीं है। इस रु झान की वजह से लोगों ने हर कहीं करोड़ों संभावनाएं खोल दीं। भक्ति का मतलब है एक खास निष्ठा-यानी आपका पूरा ध्यान हमेशा एक ही चीज में है। अगर आप लगातार एक ही चीज पर पूरा ध्यान दे रहे हैं तो आप ऐसे हो जाते हैं कि आपके विचार, आपकी भावनाएं और सब कुछ बस उस एक ही दिशा में लग जाते हैं, और तब 'कृपा' स्वाभाविक रूप से होगी क्योंकि आप ग्रहणशील बन जाते हैं। आप किस चीज या किस व्यक्ति के भक्त हैं, यह कोई मुद्दा नहीं है। अगर आप यह सोचते हैं, 'नहीं! मैं एक भक्त होना चाहता हूं, पर मुझे शंका है कि भगवान हैं या नहीं'-तो यह एक सोचने वाले मन की दशा है। आपको यह जानना जरूरी है कि भगवान नहीं हैं, पर जहां कोई भक्त है, वहां भगवान हैं। भक्ति की शक्ति ऐसी है कि वो सृष्टिकर्ता को भी बना सकती है। हम जिसे भक्ति कहते हैं, उसकी गहराई ऐसी है कि चाहे भगवान का अस्तित्व न हो, तो भी भक्ति भगवान का अस्तित्व बना सकती है।

युद्ध की चिंगारी के भड़कने का खतरा

आर्मेनिया-अजरबैजान संघर्ष

ईरान और तुर्की की सीमा से लगने वाले दो छोटे देश आर्मेनिया और अजरबैजान इस समय युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के सैकड़ों सैनिक व कई नागरिक हताहत हो चुके हैं। तुर्की द्वारा अजरबैजान के पक्ष में सीरिया और लीबिया से आतंकी गुटों को युद्धग्रस्त क्षेत्र में भेजे जाने से हालात और अधिक बिगड़ रहे हैं। तुर्की के हस्तक्षेप के बाद अब रूस के दखल की संभावना भी बढ़ गयी है। रूस और तुर्की में पहले ही लीबिया और सीरिया के गृहयुद्ध में तलवारें खिंची हुई हैं। यूएनओ और पश्चिमी महाशक्तियों को अंदेशा है कि अगर दोनों देश युद्धविराम के लिए राजी नहीं होते हैं तो यह वैश्विक युद्ध का कारण बन सकता है। आर्मेनिया और अजरबैजान नार्गोनो-काराबाख को लेकर आमने-सामने हैं। अजरबैजान इस पर अपना दावा कर रहा है जबकि 1994 में युद्धविराम के बाद से यह इलाका आर्मेनिया के कब्जे में है। रणनीतिक दृष्टि से अहम 4400 वर्ग कि.मी. वाले इस इलाके को लेकर साल 2016 में भी दोनों के बीच हिंसक संघर्ष हो चुका है। नार्गोनो-काराबाख मध्य एशियाई देश अजरबैजान और आर्मेनिया की सीमाओं से लगता एक पहाड़ी क्षेत्र है। साल 1920 में जब सोवियत संघ अस्तित्व में आया तो अजरबैजान और आर्मेनिया भी उसमें शामिल हो गए। दरअसल, अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच दुश्मनी के बीज उस वक्त ही डाल दिए गए थे जब 95 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले आर्मेनियाई इलाके को सोवियत अधिकारियों ने अजरबैजान को सौंप दिया था। इसके बाद 1924 में सोवियत संघ ने अजरबैजान के भीतर नार्गोनो-काराबाख क्षेत्र को स्वायत्त क्षेत्र के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। दूसरी ओर नार्गोनो-काराबाख के लोग दशकों से इस क्षेत्र को आर्मेनिया में मिलाये जाने की मांग कर रहे हैं। सोवियत संघ के विघटन के बाद असल विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब नार्गोनो-काराबाख की विधानसभा ने दिसंबर 1991 में अजरबैजान गणराज्य से अलग एक स्वतंत्र राज्य के निर्माण पर जनमत संग्रह किया। जनमत संग्रह में अधिकांश ने आजादी के पक्ष में मतदान किया। जनमत संग्रह के बाद यहां अलगाववादी आंदोलन शुरू हो गया, जिसे अजरबैजान ने बलपूर्वक दबाने की कोशिश की लेकिन आर्मेनिया के समर्थन के चलते आंदोलन जातीय संघर्ष में बदल गया। मई 1994 में रूस की मध्यस्थता में दोनों पक्षों ने युद्धविराम की घोषणा की। युद्धविराम से पहले नार्गोनो-काराबाख पर आर्मेनियाई सेना का कब्जा हो गया। युद्धविराम के दौरान हुए समझौते के बाद नार्गोनो-काराबाख अजरबैजान का हिस्सा तो जरूर बन गया लेकिन अलगाववादियों के नियंत्रण से मुक्त नहीं हो पाया। समझौते को शुरू से ही संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा था क्योंकि मास्को ने कथित रूप से संघर्ष के दौरान आर्मेनिया का सैन्य समर्थन किया था। दूसरी ओर दोनों पक्षों के बीच शांति बनाये रखने के लिए 1929 में अमेरिका, रूस और फ्रांस की अध्यक्षता में बने ऑर्गेनाइजेशन फॉर सिक्योरिटी एंड कोऑपरेशन इन यूरोप (ओएससीई) द्वारा शांति के प्रयास भी किए जाते रहे, लेकिन बीते तीन दशक से यहां रह-रहकर तनाव गहरा जाता है। आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच चल रहे संघर्ष में तुर्की, रूस और ईरान के कूदने की संभावना ने चिंता बढ़ा दी है। चिंता की एक बड़ी वजह इस इलाके से गुजरने वाली गैस और कच्चे तेल की पाइप लाइन है, जो दक्षिण काकेशस के पास से होते हुए तुर्की, यूरोप और अन्य देशों तक पहुंचती है। संघर्ष अगर बड़ी लड़ाई में बदलता है तो इस क्षेत्र से तेल और गैस निर्यात के बाधित होने की संभावना बढ़ जायगी। पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यूएन और महाशक्तियों की चुप्पी है। तुर्की के बाद पाकिस्तान द्वारा अजरबैजान के समर्थन में स्पेशल सिक्योरिटी ग्रुप के रिटायर्ड कमांडोज और अलबदर के आतंकवादियों को लड़ने के लिए भेजे जाने के समाचार आ रहे हैं। साल 1991 जब अजरबैजान सोवियत यूनियन से अलग होकर एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आया तो तुर्की ने सबसे पहले उसे मान्यता दी। इस्राइल भी अजरबैजान का पुराना दोस्त है। अजरबैजान की मदद के लिए इस्राइल भी अपने परंपरागत शत्रु देश पाकिस्तान और तुर्की के साथ खड़ा है। दूसरी ओर, आर्मेनिया में रूस का एक सैन्य ठिकाना भी है। हालांकि पुतिन के अजरबैजान के साथ भी अच्छे संबंध हैं। उन्होंने दोनों देशों से युद्धविराम की अपील की है। अगर समय रहते दुनिया के बड़े देशों के साथ यूएन आगे नहीं आता है तो काकशियस राष्ट्रों के बीच ऐतिहासिक मतभेदों के कारण जो संघर्ष शुरू हुआ है, उसे किसी वैश्विक युद्ध के स्तर तक पहुंचते देर नहीं लगेगी।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सोने की कीमतों में 650 रुपए का उछाल, चांदी 62 हजार रुपए के पार

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें बढ़ने से घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में उछाल आया है। एमसीएक्स में सोने का भाव 650 रुपए बढ़कर 50,817 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत 2,500 रुपये रुपए तक बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों की मानें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से राहत पैकेज की घोषणा की उम्मीदों के कारण सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है।

सोने में बड़े उछाल या गिरावट की उम्मीद नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार दिवाली तक सोने की कीमतों में कोई बड़ी तेजी या बड़ी गिरावट के आसार नहीं हैं। दिवाली पर भी सोना 50000-52000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रह सकता है।जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेस के मुताबिक डॉलर में गिरावट के कारण सोने की कीमतों पर असर दिख रहा है। सोने का भाव अंतरराष ट्रीय कीमतों के हिसाब से बढ़ रहा हैं।

जानें चांदी का भाव

सोने की तरह चांदी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को एक किलो चांदी का वायदा भाव 2,500 रुपए बढ़कर 62,955 रुपए पर पहुंच गया। वहीं, इससे ठीक एक दिन पहले बुधवार को दिल्ली सराफा बाजार में चांदी 62,159 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी।

7वीं बार खुल रहा है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

देश में सोमवार को 7वीं बार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए सब सक्रिप्शन खोली जाने वाली है। रिजर्व बैंक ने बताया कि इश्यू प्राइस 5,051 रुपये प्रति ग्राम सोना तय किया गया है। बता दें कि गोल्ड बॉन्ड का इश्यू प्राइस बीते तीन दिन में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने के बंद हुए भाव के औसत के आधार पर तय की जाती है। इसके अलावा ऑनलाइन अप्लाई और डिजिटल पेमेंट करने वाले निवेशकों को 50 रुपये प्रति ग्राम का डिस्काउंट मिलेगा। इन निवेशकों को इश्यू प्राइस 5,001 रुपये प्रति ग्राम पड़ेगा।

सूचीबद्धता समाप्ति के करीब पहुंची वेदांता, पुनर्खरीद में 137.74 करोड़ शेयरों की मिली पेशकश

नई दिल्ली। वेदांता लि. भारतीय शेयर बाजारों से अपनी सूचीबद्धता समाप्त करने के करीब पहुंच गई है। प्रवर्तकों को पुनर्खरीद कार्यक्रम के अंतिम दिन कुल मिलाकर 137.74 करोड़ शेयर की पेशकश मिली है। उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी की सूचीबद्धता समाप्त करने को लेकर सार्वजनिक शेयरधारकों के पास मौजूद कुल 169.73 करोड़ शेयरों में से 134 करोड़ शेयर की पेशकश होना जरूरी था। लेकिन जो पेशकश आई है, वह इस संख्या से अधिक है।

कंपनी करेगी पुनर्खरीद कीमत की घोषणा

शेयर बाजारों में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार 137.74 करोड़ शेयरों को कंपनी के सुपुर्द करने के लिये न्यूनतम 87.25 रुपये प्रति शेयर की बोली मिली है। सर्वाधिक 21.51 करोड़ शेयर की पेशकश 160 रुपये प्रति शेयर, 18.9 करोड़ शेयर 145 रुपये और अन्य 10.87 करोड़ शेयर की पेशकश 153 रुपये प्रति इक्विटी पर की गई। कंपनी को अब शेयरों को स्वीकार करना है इसके साथ ही पुनर्खरीद कीमत की घोषणा करनी है।

हस्सेदारी वापस खरीदना चाह रहे प्रवर्तक

वेदांता के प्रवर्तक कंपनी की सूचीबद्धता समाप्त करने को लेकर 169.73 करोड़ शेयर यानी 47.67 प्रतिशत हस्सेदारी वापस खरीदना चाह रहे हैं। ये हिस्सेदारी आम शेयरधारकों के पास है। रिवर्स बुक बिल्डिंग प्रक्रिया पांच अक्टूबर को शुरू हुई। पेशकश अवधि शुक्रवार को समाप्त हो गयी।

कंपनी ने जुटाए 24,000 करोड़ रुपए

वेदांता का शेयर बीएसई में शुक्रवार को 3.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 122.10 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी के प्रवर्तकों ने शेयरों की सूचीबद्धता समाप्त करने के लिये 3.15 अरब डालर यानी करीब 24,000 करोड़ रुपये जुटाये हैं। इस वित्तपोषण के साथ कंपनी 140- 145 रुपये प्रति शेयर के भाव पर पुनर्खदीर कर सकती है।

जापान को पीछे छोड़ 2050 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत: स्टडी

बिजनेस डेस्क:

जापान को पीछे छोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था साल 2050 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारत से आगे पहले नंबर पर अमेरिका और दूसरे नंबर पर चीन होगा। लैंसेंट की एक मेडिकल जर्नल की एक स्टडी में इस बारे में जानकारी दी गई है। इस जर्नल में दुनियाभर के देशों में काम करने वाली आबादी के बारे में स्टडी की गई है। 2017 में भारत दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। इसी को आधार मानते हुए इस स्टडी में कहा गया कि 2030 तक भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2030 में भारत से आगे अमेरिका, चीन और जापान होंगे। वर्तमान में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। फ्रांस और ब्रिटेन भी भारत से आगे हैं।

सरकार ने 2047 तक का लगाया है अनुमान

नीति आयोग के चेयरमैन राजीव कुमार ने इसी साल मई में कहा था कि साल 2047 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी और अर्थव्यवस्था पर पड़ते इसके प्रभाव को देखते हुए मौजूदा अनुमान कम आशावादी दिखाई दे रहा है।

2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी नहीं बन पाएगा भारत

पिछले साल दिसंबर में जापान के सेंटर फॉर इकोनॉमिक रिसर्च ने अपनी एक रिसर्च में कहा था कि 2029 तक जापान को पछाड़ कर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जापान का यह अनुमान कोरोना वायरस आउटब्रेक से पहले का था। मौजूदा महामारी की वजह से अनुमान लगाया जा रहा है कि 2025 तक भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में भी देर हो सकती है।

पीयूष गोयल ने दिल्ली स्थित प्रगति मैदान के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

नयी दिल्ली, केंद्रीय रेल और वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को दिल्ली स्थित प्रसिद्ध प्रदर्शनी स्थल प्रगति मैदान में जारी निर्माण कार्यों की समीक्षा की, जिसे एक विश्व स्तरीय प्रदर्शनी और सम्मेलन केन्द्र (आईईसीसी) के रूप में फिर से विकसित किया जा रहा है। वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक यह समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई और इस दौरान आवास एवं शहरी कार्य मंत्री एच एस पुरी, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार पी के सिन्हा के साथ ही अन्य प्रमुख अधिकारी भी जुड़े थे। विज्ञप्ति के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान मजदूरों के वापस घर जाने के चलते निर्माण कार्य बाधित हुआ था, हालांकि जून में इसमें दोबारा गति आई, जो अभी भी बरकरार है। इस समय प्रगति मैदान के विभिन्न निर्माण स्थलों पर लगभग 4800 मजदूर कार्यरत हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रगति मैदान के ज्यादातर भवनों के मार्च 2021 तक तैयार हो जाने की संभावना है।

दिल्ली सरकार ने फिक्की पर 20 लाख रुपए का जुर्माना, जानिए वजह

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की) पर प्रदूषण नियमों के उल्लंघन करने पर शनिवार को 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। राज्य सरकार की प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने फिक्की पर यह जुर्माना लगाया है। फिक्की पर यह जुर्माना पर्यावरण नियमों का पालन नहीं करने पर लगाया गया है। डीपीसीसी ने इतनी बड़ी राशि का दंड लगाने के साथ ही कड़े निर्देश दिए हैं कि मंडल अपने मंडी हाउस के निकट स्थित परियोजना स्थल पर एंटी-स्मॉग गन का इस्तेमाल किए बिना कोई भी निर्माण या इमारत ढहाने का काम भी नहीं शुरू कराए। गौरतलब है कि शुक्रवार को ही राज्य सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि फिक्की ऑडिटोरियम को गिराने के काम में जुटी एजेंसी को नोटिस भेजा जाएगा, क्योंकि इसमें सरकार के धूल प्रबंधन के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हो रहा है। राय ने दावा किया था कि फिक्की की यह साइट उन छह जगहों में से एक है, जहां बिना एंटी-स्मॉग मशीन के उपयोग के काम किया जा रहा है।

FICCI

कोरोना ने बढ़ाई देसी मसालों की मांग, दुनिया भर में खूब हो रहा भारतीय काढ़े का इस्तेमाल

बिजनेस डेस्क:

कोरोना संकट में भारत ने दुनिया को न सिर्फ दवाइयां मुहैया कराईं बल्कि इम्युनिटी बढ़ाने के लिए दुनिया भारतीय मसालों का भी खूब इस्तेमाल कर रही है। लिहाजा इन मसालों की डिमांड और कीमतें दोनों बढ़ गए हैं। मसाला एक्सपोर्ट में 34 फीसदी तक का उछाल आया है। कोरोना काल में देश ही नहीं, दुनियाभर के लोग इम्युनिटी बढ़ाने में जुटे हैं और इसका सबसे आसान और सटीक तरीका है, औषधीय गुणों वाले मसालों का काढ़ा। यही वजह है कि औषधीय गुणों वाले भारतीय मसालों की मांग अचानक बढ़ी है। नतीजा हल्दी, सोंठ, काली मिर्च जैसे मसालों की कीमतें बढ़ गई हैं। घरेलू कंजंप्शन के अलावा विदेशों से भी अच्छी डिमांड है। स्पाइसेस बोर्ड ऑफ इंडिया के आकड़ों के अनुसार पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में भारत से कुल 2 हजार करोड़ के मसालों का निर्यात हुआ था, जो इस साल 2 हजार 7 सौ करोड़ पर पहुंच गया। एक्सपोर्ट्स के वॉल्यूम में 34 फीसदी का उछाल आया है। पिछले एक महीनों में हल्दी फीसदी, कालीमिर्च फीसदी , सोंठ 20 फीसदी और लौंग की ट्रेडिंग प्राइस में 30 फीसदी तक की बढ़त देखने को मिली है। बता दें कि देश में कोरोनावायरस संक्रमण के नए मामले पिछले 24 घंटों के दौरान 73,272 बढ़े हैं। इसी के साथ देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 69,79,424 पहुंच गई है। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक इनमें से 9,90,601 एक्टिव केस हैं और 59,88,823 लोग रिकवर कर चुके हैं। Covid-19 से रिकवर होने का रेट 85.52 फीसदी है। दुनिया भर में अब तक कोविड19 की वजह से 1,072,825 लाख लोग जान गंवा चुके हैं। अमेरिका में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 7,894,478 हो गई है, जबकि वहां 218,648 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भारत, ब्राजील, रूस और पेरू जैसे देशों में भी मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

सबसे बुरा वक्त बीत गया, उम्मीद से ज्यादा तेजी से होगा आर्थिक सुधार: केकी मिस्त्री

नयी दिल्ली आवास ऋण का कारोबार करने वाली वित्तीय कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के सीईओ केकी मिस्त्री ने शनिवार को कहा कि सबसे बुरा वक्त पीछे छूट चुका है और आर्थिक सुधार की गति उम्मीद से अधिक तेज है। उन्होंने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान वृद्धि इससे पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले बेहतर रह सकती है। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपना लचीलापन साबित किया है। मिस्त्री ने अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संवाद में कहा कि अनुकूल ब्याज दरों का दौर आगे भी जारी रहेगा और आर्थिक गतिविधियों में गति तेज होने और मुद्रास्फीति के दबाव बढ़ने के बाद ही दरें बढ़ेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि ब्याज दरे अपने निचले स्तर पर आ चुकी हैं। एआईएमए ने एक विज्ञप्ति में मिस्त्री के हवाले से कहा कि सरकार को रोजगार देने वाले क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और उनके मुद्दों को प्राथमिकता के साथ हल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवास और अचल-सम्पत्ति के कारोबार में कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार मिले हुए हैं। इसमें काम करने वालों को निम्न कौशल की आवश्यकता होती हे। मिस्त्री ने विनिर्माण क्षेत्र को भी मदद दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए BFT तकनीक अपनाएगा J&K, कृषक की बढ़ेगी इनकम

जम्मू।

जम्मू कश्मीर सरकार केंद्र शासित प्रदेश के संभावित क्षेत्रों में मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए बायोफ्लॉक तकनीक (बीएफटी) की शुरुआत कर रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मत्स्य, पशु-भेड़पालन, कृषि, बागवानी और सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव नवीन चौधरी ने कहा कि विभाग की योजना कृषक समुदाय और बेरोजगार युवाओं के बीच इस नयी तकनीक को बढ़ावा देने की है, ताकि उनके लिये आय का सृजन का स्रोत बन सके।

जानें क्या है बायोफ्लॉक टेकनीक

बायोफ्लॉक को मत्स्यपालन में नई नीली क्रांति माना जा रहा है। यह मछली पालन का एक लाभदायक तरीका है और यह पूरी दुनिया में खुले तालाब में मछली पालन का बहुत लोकप्रिय विकल्प बन गया है। यह एक कम लागत वाला तरीका है, जिसमें मछली के लिए विषाक्त पदार्थ जैसे अमोनिया, नाइट्रेट और नाइट्राइट को उनके भोजन में परिवर्तित किया जा सकता है। इस तकनीक का सिद्धांत पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण करना है।

तकनीक को कई राज्यों में अपनाया

चौधरी ने कहा, 'तालाब में मछली पालन के पारंपरिक तरीके के मुकाबले बायोफ्लॉक तकनीक के कई लाभों को देखते हुए तथा मछली पालकों को इसका उच्च उत्पादन दिखाने के लिए इसे प्रदेश में पेश किया जा रहा है।' चौधरी ने हाल ही में कर्नल (सेवानिवृत्त) सुनील सिंह समब्याल द्वारा स्थापित बायोफ्लॉक यूनिट के निरीक्षण के लिए यहां मेलुरी जगिर बजल्ता में हंटर्स रेंच का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक पहले ही कई राज्यों में अपनायी जा चुकी है और इकाइयां सफलतापूर्वक चल रही हैं। प्रमुख सचिव ने रोटेशन के आधार पर इस बायोफ्लॉक यूनिट में प्रशिक्षण के लिये सभी जिलों के कर्मचारियों को नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। केंद्र सरकार ने हाल ही में पेश आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिये आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत मत्स्य पालन के टिकाऊ तरीके से नीली क्रांति लाना है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का मुख्य उद्देश्य रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर पैदा करना है।

व्यापार संगठनों ने नौवहन क्षेत्र में नियामक की स्थापना का आग्रह किया

कोलकाता, निर्यातकों द्वारा कंटेनर की कमी का सामना करने के बीच कई व्यापार संगठनों ने केंद्र से नौवहन के क्षेत्र में बढ़ते माल भाड़े पर काबू पाने के लिए एक नियामक की स्थापना करने का आग्रह किया है। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) ने दावा किया है कि नौवहन क्षेत्र के परिचालक विभिन्न देशों से आवक के लिए अधिक माल भाड़ा मांग रहे हैं। खासतौर से ऐसा चीन से माल लाने के लिए किया जा रहा है। सीआईआई की निर्यात और आयात पर राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष संजय बुधिया ने कहा, ''चीन से आयात में कमी आई है और नौवहन कंपनियों ने भाड़े की दरों में वृद्धि की है। कोई भी शिपिंग कंपनी निर्यात खेपों को पहुंचाने के बाद खाली लौटना नहीं पसंद करती है।'' उन्होंने कहा कि देश भर में सभी निर्यातक इस समस्या का सामना कर रहे हैं। बुधिया ने कहा, ''इस स्थिति में माल बंदरगाहों पर पड़ा हुआ है। हमने सरकार से माल ढुलाई की दरों को नियंत्रित करने के लिए एक नौवहन नियामक की स्थापना करने का आग्रह किया है।'' उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संकट के बावजूद निर्यात में तेजी आई है। लगातार छह महीने तक देश के निर्यात में कमी होने के बाद सितंबर में निर्यात 5.27 प्रतिशत बढ़कर 27.4 अरब डॉलर हो गया।

ऋण किस्त स्थगन: केंद्र ने न्यायालय से कहा, घोषित राहत से आगे बढ़ना अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होगा

नयी दिल्ली,

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष ताजा हलफनामें में कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर अब तक घोषित किए जा चुके राजकोषीय राहत उपायों से आगे बढ़कर किसी भी घोषणा से अर्थव्यवस्था को ''नुकसान'' पहुंच सकता है और हो सकता है कि बैंक इन ''अपरिहार्य वित्तीय बाधाओं'' का सामना न कर सकें। गौरतलब है कि केंद्र सरकार पहले ही ऋण की किस्त स्थगन सुविधा लेने वाले दो करोड़ रुपये तक के कर्जदारों के चक्रवृद्धि ब्याज को माफ करने का फैसला कर चुकी है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने अतिरिक्त सचिव पंकज जैन के माध्यम से शीर्ष न्यायालय के पांच अक्टूबर के निर्देशों का पालन करते हुए हलफनामा दायर किया है। न्यायालय ने केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को निर्देश दिया था कि वे कोविड-19 की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर पड़े दबाव के मद्देनजर कर्ज पुनर्गठन के बारे में के वी कामत समिति की सिफारिशों और कर्ज की किस्त स्थगन के मुद्दे पर उनके द्वारा जारी अधिसूचनाएं और परिपत्र उसके समक्ष प्रस्तुत करें।

इससे पहले केंद्र सरकार ने न्यायालय से कहा था कि कोविड-19 महामारी के दौरान घोषित किए गए किस्त स्थगन के तहत दो करोड़ रुपये तक के कर्ज के ब्याज पर ब्याज छह महीने के लिए नहीं लिया जाएगा। सरकार इन ऋणों को आठ श्रेणियों में बांटा है, जिनमें एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग), शिक्षा ऋण, आवास ऋण, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, क्रेडिट कार्ड बकाया, ऑटो ऋण, व्यक्तिगत ऋण और उपभोग आधारित ऋण शामिल हैं।

न्यायालय ने पांच अक्टूबर की सुनवाई में कहा था कि केंद्र के हलफनामे में कई आवश्यक विवरण नहीं हैं और केंद्र तथा आरबीआई को नए सिरे से हलफनामा दायर करने के लिए कहा गया था। केंद्र ने ताजा हलफनामे में अपने विभिन्न राजकोषीय नीतिगत निर्णयों और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया और विभिन्न क्षेत्रों को अब तक दी गई राहत के दायरे को बढ़ाने में असमर्थता जताई। केंद्र ने कहा, ''यह... बताया जाता है कि... गरीब कल्याण और आत्म निर्भर पैकेज के तहत पहले लिए गए राजकोषीय नीतिगत निर्णयों, जिसका वित्तीय बोझ काफी अधिक था, को पूरा करने के लिए सरकार ने राजकोषीय प्रभाव को युक्तिसंगत बनाया है।

मोटर ऐक्ट में होगा बदलाव, विदेश में रहते हुए आसानी से कराएं अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट रिन्यू

नई दिल्ली।

सरकार ने शनिवार को कहा कि वह उन नागरिकों के अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट (आईडीपी) के नवीनीकरण की सुविधा के लिए कदम उठायेगी, जिनकी आईडीपी की वैधता विदेश में रहते हुए समाप्त हो गई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ऐसे लोगों के लिए रीन्यूअल (नवीनीकरण) की प्रक्रिया को और सरल बनाने की तैयारी की है।

सरकार ने मंगाए सुझाव

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक मसौदा अधिसूचना जारी की है, जिसमें केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में संशोधन के लिए टिप्पणी और सुझाव मंगाए गए हैं, ताकि उन नागरिकों के आईडीपी के नवीनीकरण की सुविधा दी जा सके, जिनकी आईडीपी की वैधता विदेश में रहते हुए समाप्त हो गई है।' नागरिक भारतीय दूतावास या मिशन एब्रॉड पोर्टल्स के जरिए आवेदन कर सकते हैं और इसके बाद आवेदन संबंधित आरटीओ के पास विचार के लिए जाएगा।

नवीकरण की कोई व्यवस्था नहीं

मंत्रालय ने कहा, यह देखने में आया है कि कुछ ऐसे नागरिक जो विदेश यात्रा कर रहे हैं और किसी अन्य देश में हैं, उनके आईडीपी की समय सीमा समाप्त हो गयी है और विदेश में इसके नवीकरण की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रस्ताव में देश में आईडीपी के लिये अनुरोध करते समय एक चिकित्सा प्रमाण पत्र और एक वैध वीजा की शर्तों को हटाना भी शामिल है। क्योंकि जिन नागरिकों के पास प्रमाणिक ड्राइविंग लाइसेंस है, उन्हें अन्य चिकित्सा प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा कुछ ऐसे देश हैं जहां वीज ऑन अराइवल है और ऐसे मामलों में यात्रा से पूर्व भारत में आईडीपी के लिए आवेदन करते समय वीजा उपलब्ध नहीं होता। मंत्रालय ने इस बारे में लोगों से सुझाव मांगे हैं। सुझावों को अधिसूचना जारी होने के 30 दिनों के भीतर संयुक्त सचिव (एमवीएलआईटी एंड टॉल) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, परिवहन भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर भेजा जा सकता है।

त्योहारों से पहले घर खरीदने वालों को मिल सकता है तोहफा, होम लोन पर घट सकती है ब्याज दरें

बिजनेस डेस्क:

त्योहारों से ठीक पहले भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) रियल एस्टेट डेवलपर्स और घर खरीदारों को बड़ा तोहफा देने की योजना बना रही है। इसके तहत आरबीआई 30 लाख से ज्यादा के होम लोन की दरें घटा सकती है। दरअसल इस योजना के तहत आरबीआई बड़े घरों की बिक्री बढ़ाना चाह रही है जो कोरोना काल में काफी सुस्त पड़ गई है। इस फैसले से एक ओर जहां घर खरीदारों को सस्ते में घर मिल सकेगा वहीं रियल एस्टेट डेवलपर्स की बिक्री भी पटरी पर लौट सकेगी। मौजूदा दौर में घर की साइज पर होम लोन की ब्याज दरें निर्धारित होती है। अभी 75 लाख से अधिक के घर के होम लोन की ब्याज सबसे अधिक होती है। जबकि वहीं 30 लाख से कम के घर की दरें सबसे कम होती है। अब नई योजना के तहत 75 लाख के अधिक के घरों की ब्याज दरें भी कम हो सकेंगी। जिसका फायदा घर खरीदारों को मिलेगा।

विभिन्न बैंकों में इतनी है ब्याज दर

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) 30 लाख रुपए तक के लोन पर सात फीसदी और 30 लाख रुपए से 75 लाख रुपए के लोन पर 7.25 फीसदी शुल्क वसूलता है। वहीं 75 लाख रुपए से अधिक के लोन पर ब्याज दर 7.35 फीसदी है। इसी तरह, पंजाब नेशनल बैंक (PNB) की लोन की तीन स्लैब में दरें 7.15 फीसदी, 7.25 फीसदी और 7.30 फीसदी से 7.40 फीसदी हैं। एचडीएफसी लिमिटेड की बात करें, तो यह बैंक 30 लाख रुपए तक के लोन पर 6.95 फीसदी शुल्क वसूलता है और उससे ज्यादा के कर्ज पर 7.05 फीसदी। अधिकांश उधारदाता महिला कर्जधारकों से पांच आधार अंक कम शुल्क लेते हैं।

पूंजीगत आवश्यकताओं से होती है दरों में वृद्धि

दरों में वृद्धि पूंजीगत आवश्यकताओं के कारण होती है, जो ऋण के आकार के साथ बढ़ती हैं। वर्तमान में, बैंक को 30 लाख रुपए तक के होम लोन के लिए निर्धारित पूंजी का केवल 35 फीसदी पूंजी को बनाए रखना होता है। वहीं 30 लाख रुपए से 75 लाख रुपए तक के होम लोन पर बैंकों को 50 फीसदी पूंजी को बनाए रखना होता है और 75 लाख से अधिक के कर्ज के लिए यह सीमा 75 फीसदी है।

अडाणी गैस ने घटाए सीएनजी-पीएनजी के दाम, जानें क्या है नया भाव

नई दिल्ली।

अडाणी गैस ने विभिन्न क्षेत्रों में सीएनजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के दामों में कटौती की है। यह हाल में सरकार की ओर से प्राकृतिक गैस की कीमतों में की गई कटौती के अनुरूप है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात में गैस के दाम में कटौती की है। बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के खुर्जा में सीएनजी की कीमत में 1.75 रुपये प्रति किलोग्राम कटौती की गयी है। इस कटौती के बाद दाम 52.60 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है। वहीं पीएनजी की कीमत 26.83 रुपये मानक घन मीटर से घटकर 25.72 रुपये मानक घन मीटर रह गई। इसी तरह हरियाणा के महेंद्रगढ़ और फरीदाबाद में सीएनजी की कीमत क्रमश: 1.70 रुपये और 1.60 रुपये कम की गयी है। इसके अलावा गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा में इसकी कीमत 1.31 रुपये प्रति किलोग्राम कम की गयी है।

कंपनी ने फरीदाबाद, पलवल और खुर्जा में घरेलू पीएनजी की कीमत 1.11 रुपये मानक घन मीटर और अहमदाबाद एवं वडोदरा में एक रुपये प्रति घन मीटर की कटौती की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2020 : स्मिथ को राशिद के खिलाफ विशेष तैयारी रखने की जरूरत क्यों?

दुबई। (एजेंसी)

दुबई। डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत की राह पर आगे बढ़ने और पिछले मुकाबले में हार झेलने वाली स्टीवन स्मिथ के नेतृत्व वाली राजस्थान की टीम वापसी के लिए उतरेगी। यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के दो दिग्गजों वॉर्नर और स्मिथ का भी मुकाबला होगा।

हैदराबाद ने पिछले मुकाबले में किंग्स इलेवन पंजाब को 69 रन से हराया था जबकि राजस्थान को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में 46 रन से हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद को पंजाब के खिलाफ बड़ी जीत हासिल हुई थी और वह अपनी लय को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ना चाहेगा जबकि राजस्थान की टीम पिछली हार को भुलाकर वापसी करना चाहेगी।

हैदराबाद की टीम छह मैचों में तीन जीत, तीन हार के साथ छह अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि राजस्थान की टीम छह मुकाबलों में दो जीत और चार हार के साथ चार अंक लेकर सातवें नंबर पर है। हैदराबाद ने पंजाब के खिलाफ बेहतरीन शुरुआत की थी और सलामी जोड़ी डेविड वार्नर (52) और जॉनी बेयरस्टो (97) ने पहले विकेट के लिए 160 रन की मजबूत शुरुआत दिलाई थी। हालांकि वॉर्नर और बेयरस्टो के आउट होने के बाद हैदराबाद की पारी लड़खड़ा गई थी और पंजाब उसे 201 के स्कोर पर रोकने में सफल रहा था। हैदराबाद ने अपने गेंदबाजों खास तौर पर अपने करिश्माई लेग स्पिनर राशिद खान के घातक प्रदर्शन से पंजाब को मैच में टिकने नहीं दिया था। वॉर्नर को पिछले मुकाबले से सीख लेते हुए मध्यक्रम में सुधार करना होगा। मध्यक्रम के बल्लेबाजों मजबूत शुरुआत को अंत के ओवरों में भुनाने में नाकाम रहे थे। वॉर्नर और बेयरस्टो के क्रीज पर रहने के समय हैदराबाद का स्कोर 240 के करीब जाता दिख रहा था लेकिन 15 ओवर के बाद पंजाब की कसी हुई गेंदबाजी ने मध्यक्रम के बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था। वॉर्नर को इस विभाग में सुधार करने की जरुरत है।

हैदराबाद के लिए उसके स्टार स्पिनर राशिद खान ने भी शानदार प्रदर्शन किया था और चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट झटके थे। राजस्थान को राशिद की फिरकी परेशान कर सकती है। ऐसे में स्मिथ को राशिद के खिलाफ विशेष तैयारी रखने की जरुरत है। राजस्थान की टीम दिल्ली के खिलाफ हर विभाग में नाकाम रही थी और 185 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। राजस्थान की ओर से राहुल तेवतिया (38) और यशस्वी जायसवाल (34) को छोड़कर अन्य कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहा। स्मिथ को भी हैदराबाद के खिलाफ अपने प्रदर्शन से टीम का मनोबल ऊंचा करने की जरुरत है। राजस्थान की टीम को भले ही पिछले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था लेकिन हैदराबाद को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरुरत है क्योंकि राजस्थान के पास स्मिथ, जोस बटलर और संजू सैमसन जैसे घातक बल्लेबाज हैं और उसके स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का क्वारेंटीन पीरियड भी पूरा होने को है, ऐसे में इसकी संभावना ज्यादा है कि वह हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में खेलने उतरेंगे। स्टोक्स के आने से राजस्थान का बल्लेबाजी आक्रमण पहले से मजबूत होगा और यह हैदराबाद के लिए कड़ी चुनौती पेश कर सकता है। हैदराबाद को राजस्थान के खिलाफ अतिउत्साह से बचना होगा जबकि राजस्थान को भी पिछली गलतियों से सीख लेकर हैदराबाद के खिलाफ वापसी की कोशिश करनी होगी।

सिटसिपास को हराकर जोकोविच फ्रेंच ओपन फाइनल में, अब मुकाबला होगा नडाल से

पेरिस। (एजेंसी)

दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 2 घंटे से भी अधिक चले 5 सेटों के मैराथन मुकाबले में स्टेफानोस सिटसिपास को हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह बना ली, जहां उनका सामना लाल बजरी के बादशाह रफेल नडाल से होगा।

जोकोविच ने यूनान के सिटसिपास को 6-3, 6-2, 5-7, 4-6, 6-1 से हराकर 5वीं बार रोलां गैरो पर फाइनल में प्रवेश किया। जीत के बाद उन्होंने कहा कि मैं शांत बना रहा लेकिन भीतर से काफी उथल-पुथल थी। 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविच का नडाल से यह 56वां मैच होगा जिसमें से 29 मैच जोकोविच ने जीते हैं। ग्रैंडस्लैम में दोनों के बीच हुए 15 मुकाबलों में से नडाल के नाम 9 जीत रही जबकि फ्रेंच ओपन में दोनों का सामना 7 बार हुआ है और 6 बार नडाल विजयी रहे।

नडाल ने 12वीं वरीयता प्राप्त डिएगो श्वार्त्जमैन को 6-3, 6-3, 7-6 से हराया। अब उनके पास रोजर फेडरर के 20 ग्रैंडस्लैम के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका है। उन्होंने कहा कि लोग इसके बारे में बात करते हैं लेकिन मेरा फोकस इस समय साल के सबसे अहम टूर्नामेंट को जीतने पर है। यही मेरी प्रेरणा है।

नडाल को तीसरे सेट में थोड़ी परेशानी हुई जबकि जोकोविच ने 2 सेट गंवाए। सिटसिपास ने पहले 2 सेट गंवाने के बाद तीसरे में जोकोविच की गलती का फायदा उठाकर वापसी की और अगले 2 मैच जीतकर मैच को 5वें सेट तक खींचा।

ऑस्ट्रेलिया में पृथकवास की अवधि कम करने का भारत का अनुरोध हो सकता है खारिज

सिडनी। (एजेंसी)

भारतीय टीम के लिये ब्रिसबेन में पृथकवास की अवधि कम करने का बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का अनुरोध खारिज होने की संभावना है। सिडनी मार्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कोरोना वायरस महामारी के कारण खिलाड़ियों को मैदान पर उतरने से पहले दो सप्ताह पृथकवास में रहना होता है। अखबार में लिखा है ,'' क्वींसलैंड स्वास्थ्य अधिकारी क्रिकेट के सबसे ताकतवर देश को कड़े राष्ट्रीय प्रोटोकॉल से छूट नहीं देंगे। इसके ब्यौरे के इंतजार में ही क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने अभी तक श्रृंखला के संशोधित कार्यक्रम का ऐलान नहीं किया है।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि पृथकवास की अवधि कम की जाये और उसके खिलाड़ी होटल के कमरों में बंद रहने की बजाय जैव सुरक्षित माहौल में अभ्यास कर सके।

गांगुली ने जुलाई में कहा था ,'' हम उम्मीद करते हैं कि पृथकवास की अवधि कुछ कम की जायेगी। हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी दो सप्ताह तक होटल के कमरों में ही बैठे रहे।यह काफी निराशाजनक होगा।'' रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय बोर्ड ने यूएई में दस नवंबर को आईपीएल फाइनल के बाद आस्ट्रेलिया दौरे पर खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और परिवार के सदस्यों की सूची में विस्तार की अनुमति मांगी है। इस पर गौर किया जा रहा है। भारतीय टीम 23 से 25 खिलाड़ियों के साथ आस्ट्रेलिया जायेगी। टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा और हनुमा विहारी , मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ सहयोगी स्टाफ दुबई में छह दिन पृथकवास पर रहेगा। समझा जाता है कि दोनों टीमें पहले सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेगी जिसके बाद टेस्ट खेले जायेंगे।

केकेआर ने रोमांचक मुकाबले में किंग्स इलेवन पंजाब को 2 रनों से हराया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अबुधाबी। आखिरी ओवरों में सुनील नारायण और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी से कोलकाता नाइटराइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को यहां किंग्स इलेवन पंजाब को 2 रन से हरा दिया। कप्तान लोकेश राहुल की 74 रन की पारी के बाद भी पंजाब की टीम आखिरी चार ओवरों में जीत के लिए 29 रन नहीं बना सकी।

कार्तिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कोलकाता की शुरुआत खराब रही। राहुल त्रिपाठी 10 गेंदों में 4 रन बनाकर तीसरे ओवर में मोहम्मद शमी की गेंद पर बोल्ड हो गए। नीतीश राणा चार गेंदों में 2 रन बनाकर रन आउट हो गए। कोलकाता का दूसरा विकेट 14 के स्कोर पर गिरा।

गिल ने इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज इयोन मोर्गन के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। मोर्गन 23 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर लेग स्पिनर रवि बिश्नोई का शिकार बने। मोर्गन का विकेट 63 के स्कोर पर गिरा।

कोलकाता की स्थिति इस समय नाजुक नजर आ रही थी, लेकिन गिल ने अपने कप्तान कार्तिक के साथ चौथे विकेट के लिए 43 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। गिल और कार्तिक दोनों ने चौके लगाकर अपने अर्द्धशतक पूरे किए। कार्तिक ने आखिर फॉर्म में वापसी करते हुए इस आईपीएल का पहला और ओवरआल 19वां अर्द्धशतक बनाया।

गिल 47 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 57 रन बनाने के बाद 18वें ओवर में रन आउट हुए। गिल का विकेट 145 के स्कोर पर गिरा। आंद्रे रसेल 5 रन बनाकर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की गेंद पर आउट हुए। रसेल का विकेट 150 के स्कोर पर गिरा। कार्तिक पारी की आखिरी गेंद पर रन आउट हुए। कार्तिक ने मात्र 29 गेंदों पर 58 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए। पैट कमिंस पांच रन पर नाबाद रहे।

कोलकाता के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए जबकि शमी, अर्शदीप और बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला। मुजीब उर रहमान ने चार ओवर में 44 रन लुटाए। कोलकाता ने इस मुकाबले के लिए शिवम मावी की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया जबकि पंजाब ने शेल्डन कॉट्रेल की जगह क्रिस जॉर्डन को अंतिम एकादश में जगह दी।

ब्राजील और कोलंबिया ने जीत के साथ किया विश्व कप क्वालीफायर्स में आगाज

साओ पाउलो। (एजेंसी)

ब्राजील और कोलंबिया ने विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर के पहले दौर में कमजोर प्रतिद्वंद्वियों पर शानदार जीत के साथ आगाज किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण मैच दर्शकों के बिना खेले गए। ब्राजील ने बारिश के बीच यहां बोलिविया को 5 . 0 से हराया जबकि कोलंबिया ने बारांकिला में खेले गए मैच में वेनेजुएला पर 3 . 0 से जीत दर्ज की। पहले दौर के बाद ब्राजील, कोलंबिया, उरूग्वे और अर्जेंटीना के पूरे तीन अंक है जबकि पेरू और पराग्वे को एक एक अंक मिला है।

इक्वाडोर, चिली, वेनेजुएला और बोलिविया का खाता नहीं खुला है। दूसरे दौर के मैच मंगलवार को खेले जायेंगे जिनमें पेरू का सामना ब्राजील से, बोलिविया का अर्जेंटीना से, चिली का कोलंबिया से, इक्वाडोर का उरूग्वे और वेनेजुएला का पराग्वे से होगा।

आईपीएल 2020 : शॉ और पंत की पहली परीक्षा, क्या बुमराह और बोल्ट का कर पाएंगे सामना?

अबुधाबी। (एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स रविवार को जब आमने सामने होंगी तो इस बड़ी जंग में कई महारथियों के आपसी मुकाबलों पर भी नजरें रहेंगी। दोनों का बल्लेबाजी शीर्ष क्रम जबर्दस्त है और मध्यक्रम बेहद मजबूत। इसके साथ ही दोनों के पास धारदार गेंदबाजी आक्रमण है।

अगर किसी मामले में एक टीम का पलड़ा भारी है तो वह तेज गेंदबाजों के अनुभव के मामले में मुंबई इंडियंस का। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट के पास बरसों का अनुभव है और वे निर्णायक साबित हो सकते हैं। इसके मायने हैं कि शिखर धवन को दिल्ली को अच्छी शुरुआत देनी होगी। कई मैचों में अच्छी शुरुआत के बावजूद वह बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। इस बड़े मुकाबले में उनसे ऐसी उम्मीद होगी।

पृथ्वी शॉ और ऋषभ पंत की भी यह पहली परीक्षा होगी जिन्हें बुमराह और बोल्ट का सामना करना होगा। दिल्ली के लिए अच्छी बात शिमरोन हेटमायर का फॉर्म में लौटना रही जिन्होंने रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान श्रेयस अय्यर खुद जबर्दस्त फॉर्म में है और देखना होगा कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के सामने वह कैसी कप्तानी करते हैं।

मुंबई के पास हार्दिक पांड्या और कीरोन पोलार्ड जैसे हरफनमौला हैं जो अपने दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं। कृणाल पांड्या भी संक्षिप्त भूमिकाओं में उपयोगी साबित हुए हैं। दिल्ली के पास कैगिसो रबाडा और एनरिच नोर्जे के रूप में फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज हैं। वहीं रविचंद्रन अश्विन ने भी प्रभावी स्पिन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है।

चोटिल अमित मिश्रा की कमी अक्षर पटेल ने पूरी कर दी है। अबुधाबी के बड़े मैदान पर 170 का स्कोर अच्छा कहा जाएगा लेकिन मुंबई और दिल्ली के बल्लेबाजों को देखते हुए 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं है।

रोहित शर्मा के साथ तुलना किए जाने पर पाक क्रिकेटर हैदर अली ने कही ये बात

कराची।पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज हैदर अली ने कहा कि वह भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के प्रशंसक है और उनकी तरह खेलना चाहते हैं लेकिन इस दिग्गज खिलाड़ी के साथ तुलना करने से असहज महसूस करते है। हैदर ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण किया और अर्धशतक भी लगाया। उन्होंने कहा कि रोहित एक बहुत ही कुशल खिलाड़ी हैं और उनसे कोई तुलना नहीं की जा सकती है। हैदर ने कहा कि उन्हें शीर्ष बल्लेबाज के रूप में पहचाने बनाने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। हैदर ने कहा, '' वह एक शीर्ष बल्लेबाज है और जब कोई हमारी तुलना करता है तो मैं असहज महसूस करता हूं। हमारी कोई तुलना नहीं है। वह पहले ही इतना कुछ हासिल कर चुके हैं।'' इस 20 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने कई बड़े बल्लेबाजों के वीडियो देख कर खेल को सीखा है।

दक्षिण सूडान में बन रहे स्टेडियम का एक हिस्सा गिरा, फीफा ने दिया ये बयान

जिनेवा। दक्षिण सूडान में फीफा की मदद से बने स्टेडियम का एक हिस्सा नवीनीकरण के काम के दौरान ढह गया। वैश्विक फुटबॉल का संचालन करने वाले इस संस्था ने शुक्रवार को बताया कि वह दक्षिण सूडान फुटबॉल संघ के संपर्क में है और उसने देश की राजधानी में स्थित 'जुबा नेशनल स्टेडियम' में इस सप्ताह हुई एक 'मामूली घटना' के बारे में जानकारी मांगी है। फीफा ने कहा, '' फिलहाल हमारी जानकारी के अनुसार इस मामले में कोई हताहत या चोटिल नहीं हुआ है। यह दुर्घटना कंक्रीट के काम दौरान हुई।'' जुबा नेशनल स्टेडियम दक्षिण सूडान का एकमात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम है।इसे फीफा फॉरवर्ड प्रोग्राम के रकम की मदद से फिर से तैयार किया जा रहा था। स्टेडियम के नवीनीकरण के लिए फीफा ने पांच मिलियन डॉलर (लगभग 3.6 करोड रूपये) दिए है।

आईपीएल 2020 : राजस्थान पर शाही जीत के साथ दिल्ली आईपीएल-13 की अंक तालिका में टॉप पर

शारजाह। (एजेंसी)

शिमरॉन हेटमायर (45 रन और 3 कैच) और मार्कस स्टॉयनिस की (39 रन और 17 रन पर 2 विकेट) के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को शुक्रवार को 46 रन से हराकर पांचवीं जीत दर्ज करते हुए आईपीएल की तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

दिल्ली ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने के बाद राजस्थान की चुनौती को 19.4 ओवर में 138 रन पर थाम लिया। दिल्ली की छह मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह 10 अंकों के साथ तालिका में मुंबई इंडियंस को पीछे छोड़कर पहले स्थान पर पहुंच गया। दूसरी तरफ राजस्थान को छह मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा।

हेटमायर और स्टॉयनिस ने पहले शानदार बल्लेबाजी की और फिर क्षेत्ररक्षण और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया। उनके बाद निचले क्रम में अक्षर पटेल और हर्षद पटेल ने अंतिम ओवरों में महत्वपूर्ण शॉट खेलते हुए दिल्ली को शारजाह के छोटे मैदान पर लड़ने लायक स्कोर पर पहुंचा दिया, जो अंत में मैच विजयी साबित हुआ।

हेटमायर ने 24 गेंदों पर 45 रन में एक चौका और पांच छक्के लगाए। स्टॉयनिस ने 30 गेंदों पर 39 रन में चार छक्के उड़ाए। अक्षर ने आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 17 रन बनाए, जबकि हर्षद ने 15 गेंदों में एक चौके के सहारे 16 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 18 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाए। ओपनर पृथ्वी शॉ ने 10 गेंदों पर 19 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया।

शिखर धवन और ऋषभ पंत पांच-पांच रन बनाकर आउट हुए। अय्यर और पंत रन आउट हुए। दिल्ली ने अपने चार विकेट 79 रन पर गंवा दिए थे लेकिन पहले स्टॉयनिस और फिर हेटमायर ने टीम को संभाल लिया। दिल्ली के स्कोर में 14 अतिरिक्त रनों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। राजस्थान की तरफ से जोफ्रा आर्चर ने 24 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि कार्तिक त्यागी, एंड्र्यू टाई और राहुल तेवतिया को एक-एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। राजस्थान ने इस मैदान पर दो बार 200 का स्कोर पार किया था लेकिन टीम की बल्लेबाजी इस बार काफी निराशाजनक रही। युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 36 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाए जबकि राहुल तेवतिया ने 29 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से सर्वाधिक 38 रन बनाए।

ओपनर जोस बटलर ने आठ गेंदों में 13 रन, कप्तान स्टीवन स्मिथ ने 17 गेंदों में 24 रन, संजू सैमसन ने पांच, महिमाल लोमरोर ने एक, एंड्र्यू टाई ने छह, जोफ्रा आर्चर ने दो और श्रेयस गोपाल ने दो रन बनाए। राहुल तेवतिया ने एक बार फिर अच्छी बल्लेबाजी की और 38 रन बनाए। तेवतिया ने अपनी टीम की हार का अंतर कम किया, जबकि एक समय राजस्थान के सात विकेट 100 रन पर गिर चुके थे।

दिल्ली की तरफ से कैगिसो रबाडा ने 35 रन पर तीन विकेट लिए। रबाडा ने आखिरी ओवर में दो विकेट निकाले। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 22 रन पर दो विकेट और स्टॉयनिस ने 17 रन पर दो विकेट लिए, जबकि एनरिच नोर्त्जे, हर्षल पटेल और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

आई लीग क्वालीफायर में एआरए एफसी से होगा मोहम्मडन स्पोर्टिंग का सामना

कोलकाता। मोहम्मद स्पोर्टिंग का सामना आई लीग फुटबॉल क्वालीफायर्स के पहले मुकाबले में एआरए एफसी से होगा। यह मैच विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में खेला जायेगा। मोहम्मडन के कोच यान लॉ ने कहा कि उनकी टीम को पिछले मैच की गलतियों को दोहराने से बचना होगा। उन्होंने कहा ,'' हमने पिछले मैच में कई मौके गंवाये। वह हमारा दिन नहीं था और अब हमें इन गलतियों को दोहराने से बचना होगा।'' पिछले सत्र में दूसरे दर्जे की लीग में भाग लेने वाली अहमदाबाद की पहली टीम एआरए एफसी आई लीग क्वालीफायर में अपना पहला मैच खेलेगी। मुख्य कोच विवेक नागुल ने कहा ,''लड़के अच्छा खेल रहे हैं। जब आप लंबे समय बाद पहला मैच खेलते हैं तो खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा होना स्वाभाविक है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केपी मुनुसामी का दावा, अन्नाद्रमुक के सामूहिक नेतृत्व को तोड़ा नहीं जा सकता

कृष्णागिरी। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता केपी मुनुसामी ने शनिवार को यहां दावा किया कि विपक्षी द्रमुक पार्टी के अध्यक्ष एमके स्टालिन की सोच है कि अन्नाद्रमुक नेताओं ओ पनीरसेल्वम और के पलानीस्वामी को अलग करने से वह राजनीतिक बढ़त ले सकते हैं, लेकिन पार्टी के सामूहिक नेतृत्व को तोड़ा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि द्रमुक प्रमुख की यह उम्मीद कभी पूरी नहीं होगी क्योंकि अन्नाद्रमुक का सामूहिक नेतृत्व पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से बना है जिसे कभी तोड़ा नहीं जा सकता है। मुनुसामी ने यह बयान स्टालिन के उन आरोपों के जवाब में दिया जिसमें उन्होंने कहा है कि दोनों नेता 'केवल भ्रष्टाचार के लिए'' जुड़े हुए हैं। अन्नाद्रमुक ने पलानीसामी और पनीरसेल्वम में मतभेद की खबरों के बीच सात अक्टूबर को वर्ष 2021 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री के पलानीसामी को पार्टी का मुख्यमंत्री प्रत्याशी घोषित किया। स्टालिन ने इसी पर यह टिप्पणी की थी। गौरतलब है कि तमिलनाडु में अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

राजस्थान में मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 'मन-संवाद' शुरू, रोगियों को दी जा रही टेली काउंसलिंग की सुविधा

जयपुर। राजस्थान में सरकारी स्तर की मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 'मन-संवाद' शनिवार को शुरू की गयी। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डा रघु शर्मा ने इस टोल फ्री हेल्पलाइन की शुरुआत करते हुए कहा कि राज्य सरकार कोरोना वायरस महामारी के दौर में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार मजबूती देने का काम रही है। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस हेल्पलाइन के जरिए नि:शुल्क टेली काउंसलिंग की सुविधा मानसिक रोगियों को प्रदान की जा रही है। उन्होंने सरकार को मानसिक रोगियों के प्रति पूर्ण संवदेनशील करार देते हुए कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान राज्य भर में संचालित सभी कोविड सेन्टर पर भी मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर द्वारा परामर्श सुविधा तथा जरुरत होने पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद अर्जुन सिंह का भतीजा बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

कोलकाता। भाजपा सांसद अर्जुन सिंह के भतीजे संजीत सिंह उर्फ पप्पू को पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक बैंक धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि संजीत सिंह को बैरकपुर में एक सहकारी बैंक में धोखाधड़ी के सिलसिले में कई घंटे की पूछताछ के बाद शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को दोपहर में एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। बैरकपुर से भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने गिरफ्तारी को 'बदले की राजनीति' बताया है।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाओं में चार आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम और पुलवामा जिलों में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ की दो अलग-अलग घटनाओं में शनिवार को जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा संगठनों के चार आतंकवादी मारे गये। मारे गए आतंकियों में एक शीर्ष कमांडर भी शामिल था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों को दक्षिण कश्मीर में कुलगाम जिले के चिनगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके बाद बलों ने शुक्रवार देर रात इस इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादियों की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मारे गये आतंकियों की पहचान जंगलपुरा दिवसार कुलगाम निवासी तारिक अहमद मीर और पाकिस्तानी नागरिक समीर भाई उर्फ उस्मान के तौर पर की गयी है। पाकिस्तान के पंजाब का रहने वाला उस्मान 'ए' श्रेणी का आतंकवादी था। अधिकारी के अनुसार, दोनों आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। अधिकारी ने बताया, ''पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों मारे गये आतंकवादी आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार समूहों का हिस्सा थे। वे कई आतंकी वारदातों तथा नागरिकों की हत्या में शामिल थे। इनमें फुराह मीरबाजार में पुलिस अधिकारी खुर्शीद अहमद की हत्या और अखरान मीरबाजार में सरपंच आरिफ अहमद पर हमला शामिल है। हमले में अहमद गंभीर रूप से घायल हो गये थे।''

कोरोना टीका के तीसरे चरण के परीक्षण से पहले भारत बायोटेक को दूसरे चरण का आंकड़ा देने को कहा गया

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस के टीके पर काम कर रही कंपनी भारत बायोटेक से कहा गया है कि वह तीसरे चरण का परीक्षण शुरू करने से पहले अपने दूसरे चरण की जांच से संबंधित विभिन्न आंकड़े पेश करे। कंपनी ने तीसरे चरण के परीक्षण के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से अनुमति मांगी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से भारत बायोटेक कोवाक्सिन टीका स्वदेशी रूप से विकसित कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, हैदराबाद स्थित टीका निर्माता ने दो अक्टूबर को डीसीजीआई को आवेदन देकर अपने टीके के तीसरे चरण के लिए परीक्षण की अनुमति मांगी।

पीओके में मिसाइल स्थल बनाने में चीनी मदद की खबरों पर बोले शीर्ष सैन्य कमांडर, ऐसा कोई संकेत नहीं

श्रीनगर। (एजेंसी)

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सतह से हवा में प्रहार करने वाली मिसाइलों के लिए स्थान तैयार करने में चीन द्वारा पाकिस्तान की मदद किये जाने की खबरों के बीच यहां एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने शनिवार को कहा कि बीजिंग द्वारा इस्लामाबाद को किसी तरह की रणनीतिक मदद दिये जाने का कोई संकेत नहीं है। हालांकि सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर के कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू ने कहा कि पाकिस्तान और चीन के बीच साजो-सामान को लेकर सहयोग चल रहा है।

लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच जारी गतिरोध के बीच खबरों में खुफिया जानकारी के हवाले से दावा किया गया है कि चीन, पीओके में पाकिस्तान को सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए स्थान तैयार करने में मदद कर रहा है और उनकी सेनाओं के जवान क्षेत्र में संयुक्त गश्त कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने शहर के पास जम्मू कश्मीर लाइट इन्फेन्ट्री रेजीमेंट केंद्र में पासिंग आउट परेड से इतर संवाददाताओं से कहा, ''मैंने मीडिया में खबरें देखी हैं। पाकिस्तान चीन की मदद कर रहा है या चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा है, हमें इस तरह का कोई संकेत नहीं मिला है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन सीपीईसी (चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर) की वजह से पाकिस्तान में चीन की मौजूदगी है। साजो-सामान के संबंध में सैन्य सहयोग है, लेकिन हम किसी तरह की रणनीतिक मदद नहीं देख रहे।'' खबरों के मुताबिक, सतह से हवा में प्रहार करने वाली मिसाइल प्रणाली परिचालन के लिए पीओके के लासाडन्ना धोक के पास पॉली पीर में पाकिस्तान की सेना और चीन की पीएलए निर्माण कार्य में लगी हैं। खबरों के अनुसार पाकिस्तानी सेना के जवान और दर्जनों आम नागरिक निर्माण स्थल पर काम कर रहे हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'सामान्य', रविवार को आंशिक सुधार की उम्मीद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को वायु गुणवत्ता उच्च मानक अंकों के साथ 'सामान्य' श्रेणी में दर्ज की गई और रविवार को इसमें आंशिक रूप से और सुधार होने की उम्मीद है। सरकारी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने बताया कि गत 24 घंटे में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 197 रहा जो 'सामान्य' श्रेणी है लेकिन 'खराब' श्रेणी से महज चार अंक कम है। वहीं शुक्रवार को एक्यूआई 204 अंकों के साथ ' खराब' श्रेणी में दर्ज किया किया। उल्लेखीय है कि शून्य से 50 तक के एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 तक को 'संतोषजनक', 101 से 200 तक को 'सामान्य', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 तक को 'गंभीर' श्रेणी में रखा जाता है। भू विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता निगरानी 'सफर' ने बताया कि शनिवार को दिल्ली के एक्यूआई में प्रदूषण फैलाने वाले पीएम 2.5 कण की प्रमुखता रही लेकिन रविवार को इसमें सुधार होने की उम्मीद है।

पासवान के नाम पर बिहार में सियासत, मांझी सहित कई नेताओं ने उनके लिए भारत रत्न की मांग की

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को दलित नेता रामविलास पासवान को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को लिखे एक पत्र में मांझी ने नयी दिल्ली स्थित पासवान के 12, जनपथ वाले बंगले को एक स्मारक में तब्दील करने का भी अनुरोध किया। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक पासवान इस बंगले में करीब 31 वर्षों तक रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का बृहस्पतिवार को निधन हो गया था।

पासवान के छोटे भाई और लोजपा सांसद पशुपति कुमार पारस के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार ने भी अलग से यह मांग की कि दिवंगत नेता को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा जाए। गया के अपने चुनाव संबंधी कार्यक्रमों को छोड़कर पासवान को श्रद्धांजलि देने पटना पहुंचे मांझी ने संवाददाताओं से कहा कि वह पासवान को भारत रत्न दिए जाने की मांग कर रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ियां को भी उनके बारे में बताया जा सके। प्रेम कुमार ने ट्वीट किया, मैं दलितों और समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्यधारा में लाने के वास्ते किए गए कार्यों के लिए रामविलास पासवान को भारत रत्न देने की मांग का समर्थन करता हूं।

विपक्षी दलों की सोच घटिया और इरादे खतरनाक हैं, विभाजन इनके डीएनए में है: योगी

लखनऊ। (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में विपक्ष की कथित विभाजनकारी नीतियों से जनता को सावधान रहने की शनिवार को अपील की। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की सोच घटिया है और इरादे खतरनाक हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा का नाम लिए बगैर कहा कि विपक्षी दलों की सोच घटिया और इरादे खतरनाक हैं। विभाजन इनके डीएनए में है। इसी सोच के तहत इन्होंने (विपक्षी दलों ने) पहले देश को बांटा और अब वे जाति, संप्रदाय, मजहब तथा क्षेत्र के नाम पर समाज को बांटने की फिराक में हैं। इनके (विपक्षी दलों के) लिए अपने खानदान का हित ही सर्वोपरि है, बाकी सब गौण है।

उन्होंने कहा कि 15 साल तक प्रदेश की सत्ता में काबिज रहने वाली बसपा और सपा के पास उपलब्धि के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार और अराजकता है। समय-समय पर इन दलों ने अपने हित में लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटा है। इनका विकास सिर्फ नारों और भाषणों तक सीमित रहा है। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को देवरिया सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर वहां के मंडल, क्षेत्र और मतदान केंद्र के प्रमुख पदाधिकारियों की डिजिटल माध्यमों से बैठक को संबोधित किया। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में चौतरफा विकास के नाते भाजपा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में विपक्षी दलों की नाखुशी अब हताशा में बदल चुकी है। लिहाजा वे सरकार को बदनाम करने का हर हथकंडा अपना रहे हैं। पर इनके मंसूबे कभी पूरे होने वाले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1977 से 2017 के बीच इंसेफेलाइटिस (जापानी बुखार) से पूर्वांचल के 50 हजार बच्चों की मौत हुई। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे गरीब परिवार से थे।

उन्होंने दावा किया, ''सिर्फ तीन वर्षों में हम इंसेफेलाइटिस को जड़ से समाप्त करने के करीब हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि देवरहवा बाबा की यह पावन धरती कभी 'चीनी का कटोरा' रही है। यहां की सारी अर्थव्यवस्था गन्ने पर ही आधारित थी। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, ''उनसे पूछिए, जिनके कार्यकाल में एक-एक कर मिलें बिकती गईं। उन्हें किन लोगों ने औने-पौने दाम पर बेच दिया। यहां की चीनी मिलों का मामला अदालत में है। फैसला होते ही पिपराइच और मुंडेरवा की तरह देवरिया में भी आधुनिक चीनी मिलें बनेंगी।'' पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा, ''आज उत्तर प्रदेश में निवेश का एक सकारात्मक वातावरण बना है दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों की नजरें हमारे उत्तर प्रदेश पर हैं। जापान और अमेरिका जैसे देशों ने यहां निवेश करने की योजना बनाई है।

बिहार चुनाव- सोनिया, मनमोहन, राहुल सहित 30 नेता होंगे कांग्रेस के स्टार प्रचारक

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, मशहूर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और कई अन्य नेता बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के स्टार प्रचारक होंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस की ओर से निर्वाचन आयोग को स्टार प्रचारकों की जो सूची भेजी गई है उसमें 30 नेताओं के नाम हैं। इसमें कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मदन मोहन झा और प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल के नाम शामिल हैं।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला, महासचिव तारिक अनवर, राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, राज बब्बर, संजय निरूपम, शकील अहमद सहित कई अन्य नेताओं को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। इस चुनाव में राजद और वाम दलों के साथ तालमेल कर उतर रही कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राजद 144 और वाम दल 29 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए तीन चरणों में 28 अक्टूबर, तीन नवंबर और सात नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 10 नवंबर को होगी।

महिला सशक्तीकरण और सम्मान के लिए 17 से 25 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान

लखनऊ। (एजेंसी)।

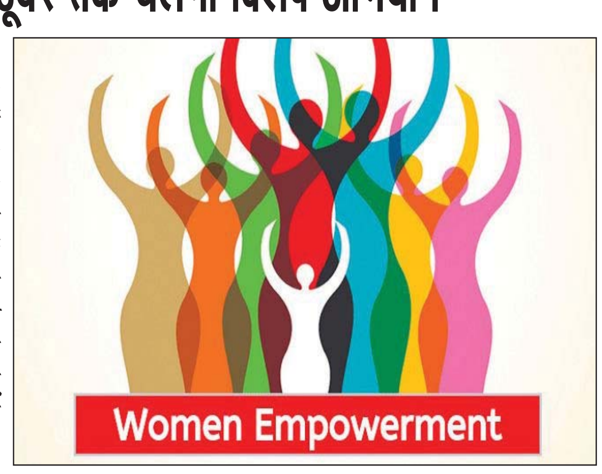

महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध अपराधों के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार विशेष अभियान चलाने जा रही है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए गृह और पुलिस विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी है। अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी और अपर पुलिस महानिदेशक (1090) नीरा रावत ने यहां इस अभियान की रुपरेखा प्रस्तुत की। अपर मुख्य सचिव (गृह) ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, श्रम एवं सेवायोजन, पुलिस, पंचायती राज, ग्राम विकास, सूचना एवं जनसंपर्क आदि विभागों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एवं सम्मान हेतु 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक अभियान चलाया जायेगा।

अवस्थी ने बताया कि प्रदेश की महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा को सुदृढ़ किये जाने के लिए पूरे प्रदेश में जनजागरूकता अभियान चलाया जायेगा। प्रदेश के सभी बच्चों, महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करते हुए सुरक्षा संबंधी जानकारी जिलों की पुलिस एवं अन्य विभागों के माध्यम से पहुंचाई जायेगी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि जन जागरूकता हेतु सभी जिलों में थानों एवं अन्य विभागों के माध्यम से स्कूल/कॉलेजों में संबंधित पोस्टर लगाने तथा विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गये है। साथ ही यह निर्देश भी दिये गये है कि महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा व उनके द्वारा दर्ज शिकायतों का त्वरित निस्तारण विशेष अभियान चलाकर कराया जाय।

पीएम मोदी से दुर्गा पूजा में कोरोना उपायों के पालन का संदेश देने का करेंगे अनुरोध: भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भाजपा इकाई ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य के लोगों को इस साल दुर्गा पूजा महोत्सव में कोविड-19 से बचाव के उपायों का अनुपालन करने के लिए संदेश देने का अनुरोध करेंगे। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि हाल में इस मुद्दे पर राज्य नेतृत्व के बीच चर्चा हुई थी।

उन्होंने पत्रकारों से कहा,'' हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध करेंगे कि वह दुर्गा पूजा से पहले लोगों को कोविड-19 से बचने के एहतियाती उपायों का अनुपालन करने का संदेश दें। बंगाल में दुर्गा पूजा सबसे बड़ा त्योहार है लेकिन हमें महामारी की स्थिति की वजह से सतर्क रहना होगा।'' इससे पहले शुक्रवार को घोष ने राज्य के लोगों का आह्वान किया था कि वे इस साल दुर्गा पूजा मनाएं लेकिन त्योहारी जश्न से दूर रहें।

मुख्यमंत्री असुरक्षित तो प्रदेश की जनता की सुरक्षा का अंदाजा लगाएं: अखिलेश

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था पर तंज कसते हुए सवाल उठाया है कि जब 2020 में भी उनकी सुरक्षा को इतना खतरा है तो अंदाजा लगाएं कि प्रदेश की जनता किस हाल में है। सपा की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री की तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था और ज्यादा पुख्ता कर दी गई है। मंत्रिमंडल से परिपत्र के जरिये प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। इसे 'ग्रीन बुक' में भी दर्ज किया जाएगा। प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रबंधन का ब्योरा 'ब्लू बुक' में होता है। अखिलेश ने कहा कि उसके अध्ययन के बाद मुख्यमंत्रीकी 'ग्रीन बुक' की समीक्षा की गई है। वैसे जबसे मुख्यमंत्री सत्ता में आए हैं, बराबर उनकी सुरक्षा की समीक्षा होती रही है, लेकिन यह प्रश्न तो उठता है कि जब 2020 में भी मुख्यमंत्री की सुरक्षा को इतना खतरा है तो अंदाजा लगाएं प्रदेश की जनता किस हाल में है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राज में रोज वही कहानी दोहराई जाती है। हत्या, बलात्कार, लूट की खबरों के साथ दिन की शुरुआत, शाम तक अपराध की घटनाएं और ज्यादा गहराती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2019 की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि प्रदेश में अनुसूचित जाति और जनजाति उत्पीड़न संबंधी कुल मामलों में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में महिलाओं के विरूद्ध अपराध के सर्वाधिक 59,853 मामले दर्ज हुए जिसमें 18 वर्ष से कम आयु की बच्चियों के साथ दुष्कर्म की प्रदेश में 272 घटनाएं पुलिस रिकॉर्ड का हिस्सा बनीं। 2019 में बलात्कार के 3,065 मामले दर्ज हुए।

अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी अपनी सुरक्षा पर ही इतना ज्यादा चिंतित है कि प्रदेश की जनता की दहशत भरी जिंदगी के बारे में सोचने का उन्हें समय ही नहीं। उन्होंने उदाहरण के साथ कहा कि भाजपा राज में भाजपाई नेता भी असुरक्षित हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सच तो यह है कि प्रदेश में अपराधी रोज एक नया अध्याय गढ़ रहे हैं। तमाम वारदातों का पुलिंदा लेकर भाजपा सरकार मौन बैठी हुई है। कानून व्यवस्था बेलगाम है। चारों तरफ भय और आतंक है। मुख्यमंत्री के सभी दावे झूठे साबित हुए है। अपराधियों के बुलंद हौसलों के आगे सरकार नतमस्तक है।

प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा, 'ग्लोबल सिटीजन' तैयार करेगी नई शिक्षा नीति

कोलकाता। (एजेंसी)।

'नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को अपनी परंपरा, संस्कृति और ज्ञान के आधार पर 'ग्लोबल सिटीजन' बनाते हुये उन्हें भारतीयता की जड़ों से जोड़े रखने पर आधारित है।' यह विचार भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने रविवार को भारतीय संस्कृति संसद, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्यक्त किए। दो सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी के पहले सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव ने की। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल श्री केसरी नाथ त्रिपाठी भी विशिष्ट तौर पर उपस्थित थे।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और आज का समय' विषय पर मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि नई शिक्षा नीति सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारपरक ज्ञान पर बल देती है, जिससे बच्चों के कंधे से बैग के बोझ को हल्का करते हुये उनको भावी जीवन के लिये तैयार किया जा सके। इसके अलावा वैदिक गणित, दर्शन और प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े विषयों को महत्त्व देने की कवायद भी नई शिक्षा नीति में की गई है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि इस शिक्षा नीति का सबसे बड़ा पहलू ये है कि इस नीति से शिक्षा की गुणवत्ता और उपयोगिता, दोनों को ही बल मिलेगा। स्कूली स्तर पर ही छात्रों को किसी न किसी कार्य कौशल से जोड़ दिया जाएगा। इसका अर्थ है, जब बच्चा स्कूल से पढ़कर निकलेगा, तो उसके पास एक ऐसा हुनर होगा, जिसका वह आगे की जिंदगी में इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा ?कि यह सिर्फ एक नीतिगत दस्तावेज नहीं है, बल्कि 130 करोड़ से अधिक भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी ज्ञान की सदी है। यह सीखने और अनुसंधान की सदी है। और इस संदर्भ में भारत की नई शिक्षा नीति अपनी शिक्षा प्रणाली को छात्रों के लिए सबसे आधुनिक और बेहतर बनाने का काम कर रही है। इस शिक्षा नीति के माध्यम से हम सीखने की उस प्रक्रिया की तरफ बढ़ेंगे, जो जीवन में मददगार हो और सिर्फ रटने की जगह तर्कपूर्ण तरीके से सोचना सिखाए। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा के अभूतपूर्व ढांचे को प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा विशिष्ट है और उसकी क्षमताओं के आधार पर उसके विकास की बात नई शिक्षा नीति करती है। पांचवी कक्षा तक, शिक्षा प्रदान करने के माध्यम के रूप में मातृभाषा को बढ़ावा देने की पहल, सरकार का एक महत्वपूर्ण और प्रशंसनीय निर्णय है।

इस संगोष्ठी के दूसरे सत्र की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति डॉ. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस सत्र में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा और नेशनल लाइब्रेरी के पूर्व महानिदेशक डॉ. अरुण चक्रवर्ती ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस आयोजन में भारतीय संस्कृति संसद के अध्यक्ष डॉ. बिट्ठलदास मूंधड़ा एवं सचिव विजय झुनझुनवाला एवं राजेश दूगड़ भी मौजदू थे। संगोष्ठी का संचालन डॉ. तारा दूगड़ ने किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चतुर बिल्ली

पंचतंत्र की कहानियां हमें जीवन की कई मूल्यवान बातें बताती है। चतुर बिल्ली कहानी भी पंचतंत्र की ही कहानी है। यह कहानी बताती है कि हमें अपने शत्रुओं से कैसे बचकर रहना चाहिए।

एक चिड़ा पेड़ पर घोंसला बनाकर मजे से रहता था। एक दिन वह दाना पानी के चक्कर में अच्छी फसल वाले खेत में पहुंच गया। वहां खाने पीने की मौज से बड़ा ही खुश हुआ। उस खुशी में रात को वह घर आना भी भूल गया और उसके दिन मजे में वहीं बीतने लगे।

इधर शाम को एक खरगोश उस पेड़ के पास आया जहां चिड़े का घोंसला था। पेड़ जरा भी ऊंचा नहीं था। इसलिए खरगोश ने उस घोंसलें में झांक कर देखा तो पता चला कि यह घोंसला खाली पड़ा है। घोंसला अच्छा खासा बड़ा था इतना कि वह उसमें खरगोश आराम से रह सकता था। उसे यह बना बनाया घोंसला पसंद आ गया और उसने यहीं रहने का फैसला कर लिया।

कुछ दिनों बाद वह चिड़ा खा-खा कर मोटा ताजा बन कर अपने घोंसलें की याद आने पर वापस लौटा। उसने देखा कि घोंसलें में खरगोश आराम से बैठा हुआ है। उसे बड़ा गुस्सा आया, उसने खरगोश से कहा, चोर कहीं के, मैं नहीं था तो मेरे घर में घुस गए हो? चलो निकलो मेरे घर से, जरा भी शरम नहीं आई मेरे घर में रहते हुए?

खरगोश शान्ति से जवाब देने लगा, कहां का तुम्हारा घर? कौन सा तुम्हारा घर? यह तो मेरा घर है। पागल हो गए हो तुम। अरे! कुआं, तालाब या पेड़ एक बार छोड़कर कोई जाता हैं तो अपना हक भी गवां देता हैं। यहां तो जब तक हम हैं, वह अपना घर है। बाद में तो उसमें कोई भी रह सकता है। अब यह घर मेरा है। बेकार में मुझे तंग मत करो।

यह बात सुनकर चिड़ा कहने लगा, ऐसे बहस करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। किसी धर्मपण्डित के पास चलते हैं। वह जिसके हक में फैसला सुनायेगा उसे घर मिल जाएगा।

उस पेड़ के पास से एक नदी बहती थी। वहां पर एक बड़ी सी बिल्ली बैठी थी। वह कुछ धर्मपाठ करती नजर आ रही थी। वैसे तो यह बिल्ली इन दोनों की जन्मजात शत्रु है लेकिन वहां और कोई भी नहीं था इसलिए उन दोनों ने उसके पास जाना और उससे न्याय लेना ही उचित समझा। सावधानी बरतते हुए बिल्ली के पास जा कर उन्होंने अपनी समस्या बताई।

उन्होंने कहा, हमने अपनी उलझन तो बता दी, अब इसका हल क्या है? इसका जबाब आपसे सुनना चाहते हैं। जो भी सही होगा उसे वह घोंसला मिल जाएगा और जो झूठा होगा उसे आप खा लें। अरे रे !! यह तुम कैसी बातें कर रहे हो, हिंसा जैसा पाप नहीं इस दुनिया में। दूसरों को मारने वाला खुद नरक में जाता है। मैं तुम्हें न्याय देने में तो मदद करूंगी लेकिन झूठे को खाने की बात है तो वह मुझसे नहीं हो पाएगा। मैं एक बात तुम लोगों को कानों में कहना चाहती हूं, जरा मेरे करीब आओ तो!!

खरगोश और चिड़ा खुश हो गए कि अब फैसला हो कर रहेगा। और उसके बिलकुल करीब गए। फिर क्या? करीब आए खरगोश को पंजे में पकड़ कर मुंह से चिड़े को बिल्ली ने नोंच लिया। दोनों का काम तमाम कर दिया। अपने शत्रु को पहचानते हुए भी उस पर विश्वास करने से खरगोश और चिड़े को अपनी जानें गवांनी पड़ीं।

बंदर और आदमी

एक बार की बात है एक टोपियां बेचने वाला पड़ोस के हाट बाजार से टोपियां बेचकर अपने गांव लौट रहा था। दिनभर के कामकाज के बाद वह काफी थक गया था। तब रास्ते में एक पेड़ के नीचे वह कुछ देर सुस्ताने के लिए बैठ गया। ठंडी हवा से उसकी आंख लग गई और फिर किसी आवाज से आंख खुली तो उसने देखा कि उसकी टोपियां बंदरों ने ले ली हैं और वे पेड़ पर चढ़ बैठे हैं। टोपी वाले ने एक-दो पत्थर फेंके पर बंदर टोपियां छोड़ने तैयार ही नहीं थे।

तब टोपी वाले को एक ख्याल आया उसने अपने सिर पर लगी टोपी निकाली और जमीन पर फेंक दी। बंदरों ने यह देखा तो उन्होंने भी अपने सिर की टोपियों को नीचे फेंक दिया।

टोपी वाले ने सारी टोपियां एकत्र की और घर आ गया। बड़ा नुकसान होने से बच गया था। उसने घर आकर वह बात अपने बच्चों को बताई।

कुछ सालों में टोपी बेचने वाले का लड़का बड़ा हो गया और वह भी टोपी बेचने का काम करने लगा। एक दिन वह भी टोपी बेचने के सिलसिले में पड़ोस के गांव गया।

दिनभर के काम के बाद वह काफी थक गया था। घर लौटते समय उसके मन में विचार आया कि क्यों न कुछ देर आराम कर लूं। वह एक पेड़ के नीचे सो गया।

कुछ देर बाद जब वह उठा तो देखा कि बंदरों ने उसकी टोपियों पर धावा बोलते हुए सारा माल हथिया लिया है। टोपी वाले को अपने पिता का किस्सा याद आया।

वह तुरंत पेड़ के सामने जाकर खड़ा हुआ और उसने अपनी सिर पर पहनी टोपी निकाल कर जमीन पर पटक दी। पर यह क्या बंदरों पर इसका कोई असर नहीं हुआ उन्होंने अपनी टोपियां नहीं छोड़ी।

टोपी वाले ने फिर से अपनी टोपी बंदरों को दिखाई और जमीन पर पटक दी। लेकिन बंदरों ने फिर भी अपनी टोपियां नहीं छोड़ी।

तभी एक बंदर बोला- तुम क्या समझते हो कि सिर्फ तुम्हारे ही पिता ने तुमको टोपी वाला किस्सा सुनाया था। यह सुनते ही टोपी वाले को सारी बात समझ में आ गई और वह हाथ मलता हुआ घर को लौट आया

शेर और किशमिश

एक खूबसूरत गांव था। चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ। पहाड़ी के पीछे एक शेर रहता था। जब भी वह ऊंचाई पर चढ़कर गरजता था तो गांव वाले डर के मारे कांपने लगते थे। कड़ाके की ठंड का समय था। सारी दुनिया बर्फ से ढंकी हुई थी। शेर बहुत भूखा था। उसने कई दिनों से कुछ नहीं खाया था। शिकार के लिए वह नीचे उतरा और गांव में घुस गया।

वह शिकार की ताक में घूम रहा था। दूर से उसे एक झोपड़ी दिखाई दी। खिड़की में से टिमटिमाते दिए की रोशनी बाहर आ रही थी। शेर ने सोचा यहां कुछ न कुछ खाने को जरूर मिल जाएगा। वह खिड़की के नीचे बैठ गया।

झोपड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज आई। ऊं...आं... ऊं...आं..। वह लगातार रोता जा रहा था। शेर इधर-उधर देखकर मकान में घुसने ही वाला था कि उसे औरत की आवाज आई- चुप रहे बेटा। देखो लोमड़ी आ रही है। बाप रे, कितनी बड़ी लोमड़ी है? कितना बड़ा मुंह है इसका। कितना डर लगता है उसको देखकर। लेकिन बच्चे ने रोना बंद नहीं किया।

मां ने फिर कहा- वह देखो, भालू आ गया... भालू खिड़की के बाहर बैठा है। बंद करो रोना नहीं तो भालू अंदर आ जाएगा, लेकिन बच्चे का रोना जारी रहा। उसे डराने का कोई असर नहीं पड़ा।

खिड़की के नीचे बैठा शेर सोच रहा था- अजीब बच्चा है यह! काश मैं उसे देख सकता। यह न तो लोमड़ी से डरता है, न भालू से।

उसे फिर जोर की भूख सताने लगी। शेर खड़ा हो गया। बच्चा अभी भी रोए जा रहा था।

देखो... देखो... मां की आवाज आई, देखो शेर आ गया शेर। वह रहा खिड़की के नीचे। लेकिन बच्चे का रोना, फिर भी बंद नहीं हुआ। यह सुनकर शेर को बहुत ताज्जुब हुआ और बच्चे की बहादुरी से उसको डर लगने लगा। उसे चक्कर आने लगे और बेहोश-सा हो गया।

वह कैसे जान गई कि मैं खिड़की के पास हूं। शेर ने सोचा।थोड़ी देर बाद उसकी जान में जान आई और उसने खिड़की के अंदर झांका। बच्चा अभी भी रो रहा था। उसे शेर का नाम सुनकर भी डर नहीं लगा।

शेर ने आज तक ऐसा कोई जीव नहीं देखा जो उससे न डरता हो। वह तो यही समझता था कि उसका नाम सुनकर दुनिया के सारे जीव डर के मारे कांपने लगते हैं, लेकिन इस विचित्र बच्चे ने मेरी भी कोई परवाह नहीं की। उसे किसी भी चीज का डर नहीं है। शेर का भी नहीं।

अब शेर को चिंता होने लगी। तभी मां की फिर आवाज सुनाई दी। लो अब चुप रहो। यह देखो किशमिश...। बच्चे ने फौरन रोना बंद कर दिया। बिलकुल सन्नाटा छा गया।

शेर ने सोचा- यह किशमिश कौन है? बहुत खूंखार होगा। अब तो शेर भी किशमिश के बारे में सोचकर डरने लगा। उसी समय कोई भारी चीज धम्म से उसकी पीठ पर गिरी। शेर अपनी जान बचाकर वहां से भागा। उसने सोचा कि उसकी पीठ पर किशमिश ही कूदा होगा।

असल में उसकी पीठ पर एक चोर कूदा था, जो उस घर में गाय-भैंस चुराने आया था। अंधेरे में शेर को गाय समझकर वह छत पर से उसकी पीठ पर कूद गया। डरा तो चोर भी। उसकी तो जान ही निकल गई जब उसे पता चला कि वह शेर की पीठ पर सवार है, गाय की पीठ पर नहीं।

शेर बहुत तेजी से पहाड़ी की ओर दौड़ा, ताकि किशमिश नीचे गिर पड़े, लेकिन चोर ने भी कसकर शेर को पकड़ रखा था। वह जानता था कि यदि वह नीचे गिरा तो शेर उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा। शेर को अपनी जान का डर था और चोर को अपनी जान का।

थोड़ी देर में सुबह का उजाला होने लगा। चोर को एक पेड़ की डाली दिखाई दी। उसने जोर से डाली पकड़ी और तेजी से पेड़ के ऊपर चढ़कर छिप गया। शेर की पीठ से छुटकारा पाकर उसने चैन की सांस ली।

शेर ने भी चैन की सांस ली- भगवान को धन्यवाद मेरी जान बचाने के लिए। किशमिश तो सचमुच बहुत भयानक जीव है और वह भूखा-प्यासा वापस पहाड़ी पर अपनी गुफा में चला गया।

ग्रीन वर्ल्ड डे की वर्ष गांठ में वृक्षारोपण

कानपुरः (न्यूज़ वार्ता) मानवाधिकारों के संरक्षण तथा उनके हित में लगातार कार्यरत जूडिशियल कॉउन्सिल ने ग्रीन वर्ल्ड डे की वर्ष गांठ में देश और दुनिया में वृहद वृक्षारोपण कानपुर , दिल्ली , अमृतसर, कोलकाता

, लखनऊ , हाजीपुर इत्यादि में किया कानपुर में न्यूज़ वार्ता संवाददाता से बातचीत के दा. ैरान जूडिशियल कॉउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा की पेड़ लगाने से ज्यादा जरूरी है जंगलों को कटने से बचाना और पेड़ काटने पर सजा क़त्ल की तर्ज पर ही होनी चाहिए कारण पेड़ कटने से वातावरण का नुक्सान सीधा मनुष्य का नुक्सान है । श्री अग्निहोत्री ने कहा भारत में पेड़ लगते कम हैं और कटते ज्यादा इसका अनुमान हर व्यक्ति लगा सकता है । यह बहुत ही ज्यादा चिंता का विषय है इनपे नियंत्रण पाया जा सकता है यदि हम सब ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं । न्यूज़ वार्ता संवादाता से बातचीत के दौरान श्री अग्निहोत्री ने बताया सरकार को सख्त कदम उठाने की जरूरत है वर्ना जंगल शब्द कहानियों में सिमट कर रह जायेंगे ।

जिस तरह का मंजर है सरकार को अपनी नीतियों पर तुरंत पुनर्विचार करना जंगल की रक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा सभी को साथ आने का आवाहन किया ।

विंग कमांडर सतीश चंद्र मिश्रा अवकाश प्राप्त मेंबर एनवायरनमेंट कमिटी ने कहा सरकार हर वर्ष करोड़ों रुपए पेड़ों को लगाने में करती है पर उसकी सुरक्षा पर ध्यान कम जाता है इसीलिए जंगल के जंगल दिन प्रति दिन साफ हो रहे हैं बहुत ही अफ़सोसजनक शर्मनाक और शर्मशार करनेवाला है ।

हाथरस के आरोपियों को कानूनी मदद देगी क्षत्रिय महासभा

लखनऊ (एजेसी)। हाथरस में दलित समुदाय की युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म और उसकी मौत के बाद आरोपियों के पक्ष में अब अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा आकर खड़ी हो गयी है। महासभा ने आरोपियों को निर्दोष करार देते हुए उन्हें विधिक सहायता देने का भी ऐलान किया है। इसके अलावा महासभा ने प्रदेश में राम राज्य यात्रा निकालने की घोषणा की।

अखिल भारतीय क्षत्रिय मह. ासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री कुंवर राघवेंद्र सिंह राजू ने शनिवार को यहां पत्रकारों को बताया कि विजयादशमी के बाद हिंदू रक्षा सेना के सहयोग से क्षत्रिय मह. ासभा पूरे देश में राम राज्य यात्रा का आयोजन करने जा रही है। आगरा एवं अलीगढ़ मंडल के दौरे से लौटे सिंह ने कहा कि हाल में

घटी घटनाओं को लेकर क्षत्रिय समाज में काफी आक्रोश व्याप्त है। संगठन चाहता है कि किसी भी निर्दोष बच्चों को फंसाया नहीं जाना चाहिए। हम हर निर्दोष को विधिक सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने मांग उठाई थी कि सीबीआई जांच हो और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीबीआई के आदेश दे दिए हैं। हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रबुद्धनंद गिरि ने कहा कि भारत में सदियों से वर्ण व्यवस्था लागू है जिसको तोड़ने से समाज टूट जाएगा। राम राज्य यात्रा निकालने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा घटिया राजनीति और माहौल को देखते हुए पूरे देश को एक सूत्र में फिर से पिरोने की महती आवश्यकता है।

सार–समाचार

'कानपुर–एडीजी जोन कानपुर जय नरायन सिंह द्वारा जोनल कार्यालय में कानपुर परिक्षेत्र के समस्त जनपद प्रभारियों के साथ अपराध गोष्ठी की गयी तथा गोष्ठी के दौरान ब्ब्छे, लम्बित अभियोग, माल निस्तारण,वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व अगामी त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दियें।

'अवैध असलहे सहित अभियुक्त गिरफ्तार'

दही चौकी क्षेत्र का है मामला 'चौकी प्रभारी प्रेम नारायण सरोज जी' ने अच्छे कार्य करते हुए आज फिर अपना ड्यूटी के प्रति जिम्मेदारी का उदाहरण पेश किया है अवैध असलहा रखे हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तारी कर कोतवाली लाया गया।पकड़े गए अभियुक्त का नाम अशोक यादव उर्फ चौड़ा निवासी मुकुंद खेड़ा गांव टीकरगढी है।

छेड़छाड़ करने वाले शोहदों की खैर नहीं, एंटी रोमियो के साथ शेरनी

अलीगढ़ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले शोहदों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड के अलावा अब शेरनी दस्ता भी तैनात होगा। शोहदों की अब खैर नहीं है। बाजार, मॉल या फिर धार्मिक स्थलों पर इस दस्ते की तैनाती होगी। किसी शोहदे ने गुस्ताखी की तो महिला सिपाहियों का शेरनी दस्ता उन पर टूट पड़ेगा। शहर के बाजार, भीड़–भाड़ वाले चौराहे, प्रमुख धार्मिक स्थल, एटीएम, मॉल सहित उन प्रमुख स्थानों पर जहां महिलाओं का आना–जाना होता है वहां शेरनी दस्ता मौजूद रहेगा।महिला अपराधों को लेकर पहले से सख्त मुख्यमंत्री की मंशा भांप कर इस दिशा में पुलिस और सख्ती कर रही है। बाजार खुलने लगे हैं दुकानों पर भीड़ आने लगी है। नवरात्र आने वाला है।स्कूल–कॉलेज और कोचिंग सेंटर भी खुलने वाले हैं। महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें और इसके लिए अब शेरनी दस्ते की सड़कों पर तैनाती की जा रही है। सुबह दस बजे से रात के 8.30 बजे तक शेरनी दस्ता सड़कों पर मुस्तैद रहेगा। इस दस्ते का हर दो घंटे पर लोकेशन भी लिया जाएगा।

एडीजी स्थापना का तबादला

लखनऊ (एजेसी)। प्रदेश सरकार ने पीएसी से नागरिक पुलिस में आए सिपाही व उपनिरीक्षक को प्रोन्नत नहीं देने के मामले में जिम्मेदार माने जा रहे एडीजी स्थापना पीयूष आनंद का तबादला कर दिया है। शनिवार को जारी तबादला सूची के अनुसार पीयूष आनन्द के स्थान पर संजय सिंघल को एडीजी स्थापना बनाया गया और पीयूष आनन्द को एडीजी रेलवे बनाया गया है।

डीएम कंपाउंड में प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर (एजेसी)। महानगर में सिविल लाइंस स्थित डीएम कंपाउंड में प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों के परिवार इसी कैंपस में रहते हैं और पड़ोसी भी हैं। देर रात परिजनों ने दोनो के शव पेड़ से लटके देखे। मौके पर पहुंचकर कोतवाली पुलिस ने शवों को उतरवाकर पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा। जानकारी के मुताबिक डीएम कंपाउंड निवासी स्वर्गीय होरीलाल का तीसरे नंबर का बेटा रवि उर्फ पिंटू और बगल के घर में रहने वाले मकान कनौजिया की बेटी शिखा उर्फ ब्लू ने देर रात फांसी लगा ली। परिजनों के मुताबिक दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। रात लगभग डेढ बजे दोनो अपने अपने घर से गायब थे। परिजनों ने खोजा तो दोनो का शव कम्पाउंड के क्लब हाउस के पेड़ से लटका मिला। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने दोनो का पोस्टमार्टम कराकर शव घरवालों को सौप दिया।

श्री राम मंदिर निर्माण के काम ने गति पकड़ी, वैदिक रीति से शुरु हुई पत्थरों की ढुलाई

अयोध्या (एजेसी)। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर निर्माण के काम ने अब गति पकड़ ली है। वैदिक रीति–रिवाज से पूजन के बाद राम जन्मभूमि परिसर में पत्थरों को ले जाने का काम शुरू हो गया है। मंदिर निर्माण में लगी एलएंडटी की टीम विशाल मशीनों तथा क्रेनों की मदद से पत्थरों को ट्रक पर लाद रही है। यहां से राम मंदिर में लगने वाले पत्थरों को परिक्रमा मार्ग से राम जन्मभूमि परिसर में पहुंचाया जा रहा है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर का नक्शा पास होने के बाद से मंदिर निर्माण को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस भव्य परियोजना से आईआईटी चेन्नई और एलएंडटी के करीब दो सौ विशेषज्ञ जुड़े हुए हैं। रामजन्मभूमि कार्यशाला में तराशी गई शिलाओं की नाप–जोख होने के बाद अब इनको रामजन्मभूमि परिसर में शिफ्ट किया जा रहा है। आपको बता दें कि राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण दो तल के बजाय तीन तल हो गया है।

चलती कार में भांजे ने मामी के साथ किया दुष्कर्म का प्रयास, गिरफ्तार

उन्नाव (एजेसी)। उन्नाव के बेहटा थाना क्षेत्र स्थित आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर चलती कार में भांजे ने साथी के साथ मिलकर मामी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। साथ ही जब मामी ने इसका विरोध किया तो भांजे ने उनको काट कर कई जगह घेहरा जख्मी कर दिया और उसे जख्मी हालत में सड़क मार्ग किनारे फेंककर भाग निकले। मगर वाहन में डीजल खत्म होने के चलते समय रहते पुलिस ने दोनों आरोपितों को पकड़कर थाने ले आई है। युवती ने बताया कि सुबह उसका भांजा यह कहकर अपने साथ ले आया जिसका बैनामा तहसील में कराना है। मैं पढ़ा–लिखा नहीं हूं।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चिकित्सकों ने बचा लिया नवजात बालिका की जान

बस्ती (एजेसी)। श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल बरगदवा के चिकित्सकों ने अथक प्रयास से नवजात शिशु की प्राण रक्षा कर लिया। मुण्डेरवा क्षेत्र के हल्लौर नगरा निवासी गंगाराम की पत्नी गुड़िया को प्रसव हेतु गंभीर स्थिति में भर्ती कराया गया था।

नवजात शिशु का फेफड़ा काम नहीं कर रहा था और दिल बाये से दाहिनी ओर चला गया था। चिकित्सकों ने इसे चुनौती के रूप में लिया और आपरेशन के द्वारा एक दिन के नवजात बालिका की जान बच गई। वह एनआईसीयू में भर्ती है। चिकित्सकों के अनुसार अब वह खतरे से बाहर है।

हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने चिकित्सकों के टीम की सराहना करते हुये कहा कि श्रीकृष्ण ा मिशन हास्पिटल अनेक गंभीर मरीजों की जान बचाने में सफल रहा है। इसके पीछे चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों का समर्पण तो है ही, हास्पिटल में लगाई गई अत्याधुनिक मशीनें सहायक बन जाती है। पूरा प्रयास है कि हास्पिटल को इस प्रकार से विकसित किया जाय जिससे पूर्वान्चल के मरीजों को इलाज के लिये लखनऊ, दिल्ली, मुम्बई न भटकना पड़े। कोरोना संकट काल में श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल निरन्तर बेहतर सेवायें दे रहा है।

चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि आयुष्मान भारत एवं बीमित मरीजों की सेवायें निष्ठा से की जा रही है।

ठंड के मौसम को देखते हुये निमोनिया, दिमागी बुखार, सांस फूलने की समस्या को देखते हुये हास्पिटल में तैयारियां बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ की निगरानी में पूर कर ली गई है।

डा. मो. के.एस. अफसर ने बताया कि ऐसे मामले बहुत कम आते हैं, त्वरित आपरेशन के निर्णय से बालिका खतरे से बाहर है। परिजन हास्पिटल की सेवाओं से संतुष्ट है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

पुरानी सरकारों में भ्रष्टाचारियों और अपराधियों का बोलबाला लेकिन योगी की सरकार में खैर नहीं

अलीगढ़ (एजेसी)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर

राज्य मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भरा जोश धर्मेन्द्र राघव

भाजपा की बैठक आयोजित की गई जिसमें अलीगढ़ मंडल के 4 जनपदों अलीगढ़ कासगंज हाथरस और एटा से भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। बतौर मुख्य अतिथि भूपेंद्र चौधरी पंचायती राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश को आमंत्रित किया गया।

पंचायती राज्य मंत्री भूपेंद्र चौध री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा अंतिम पंक्ति में खड़े हुए व्यक्ति की चिंता करते हुए विकास कार्यों में लगी हुई है। मोदी जी की सरकार विकास कार्यों गति दे रही है, और योगी सरकार अपराधियों और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई कर रही है। सभी को याद है पुरानी सरकारों में भ्रष्टाचारियों और अपराधियों का बोलबाला रहता था। लेकिन योगी की सरकार में अपराधियों की खैर नहीं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राष्ट्र विकास के सपने को देखा था वह ग्राम विकास द्वारा ही संभव है। देश की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ग्राम विकास के लिए बजट में बड़ी राशि आवंटन किया था।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और प्रदेश भाजपा मंत्री उत्तर प्रदेश सुभाष यदुवंशी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुट जाना है। मोदी सरकार किसानों और पंचायतों के लिए बहुत काम कर रही है। मोदी जी की सरकार आने के बाद ग्राम पंचायतों का बजट कई गुना बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास तेजी आई है। जहां पहले ग्रामीण क्षेत्रों में लोग बिजली पानी की समस्या से त्रस्त रहते थे। अब सभी गांवों को पर्याप्त विद्युत की सप्लाई हो रही है। कार्यक्रम में अलीगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद सतीश गौतम ने सभा को संबोधित करते के साथ हुए कहा कि अलीगढ़ क्षेत्र के सभी गांवों में विकास काय संपन्न हुए हैं। सड़क पानी की व्यवस्था हुई है। बिजली की सप्लाई अबाधित रूप से रहती है।

सभी अतिथियों का स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष ऋषिपाल सिंह ने पटका व माला पहना कर किया। बैठक में मंचासीन विधायक दलवीर सिंह, संजीव राजा, अनिल पाराशर, रविंद्र पाल सिंह, अनूप प्रधान, रा. जकुमार सहयोगी, महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत, गोपाल माहेश्वरी, धर्मेंद्र चौधरी, मनोज प्रमुख, अवध पाल सिंह, जिला मीडिया प्रभारी आशीष कुमार , एटा अलीगढ़ कासगंज हाथरस से आए पंचायत चुनाव के जिला संयोजक व अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हेमंत राजपूत ने किया।

बैठक कर जनसमस्याओं का किया गया निस्तारण

क्रांति समय संवाददाता

मोहम्मदी खीरी। आज तहसील सभागार में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं के निराकरण के सम्बंध में बैठक का आयोजन किया गया, बैठक की अध्यक्षता विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने की। बैठक में विधानसभा के सभी मण्डल अध्यक्ष ,वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे, बैठक में विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा अधिकारी जन समस्याओं का निराकरण तत्काल करें जनता की समस्याओं के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसके अलावा बैठक में तमाम जन समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान निकालने की बात की गई बैठक में जिला उपाध्यक्ष ज्योतिर्मय बरतारिया , रमाकांत द्विवेदी आईटी प्रकोष्ठ के विधानसभा संयोजक दिवाकर सिंह, मनोज गुप्ता दिनेश गुप्ता सहित

भाजपा नगर अध्यक्ष सौरभ गुप्ता नगर महामंत्री रवि शुक्ला, नीरज रस्तोगी ,राजापुर मंडल अध्यक्ष राम भरोसे वर्मा ,बरबर मंडल अध्यक्ष मुकेश पांडे, पसगवां मंडल अध्यक्ष अमरीश तिवारी, बहादुर नगर मण्डल अध्यक्ष अद्वेत कुमार सिंह, तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे बैठक में उप जिलाधिकारी श्रीमती स्वाति शुक्ला तहसीलदार विकास धर दुबे पुलिस उपाधीक्षक प्रभारी निरीक्षक और विद्युत विभाग के अधिकारी सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

जीवन है बहुमूल्य,इसको सार्थक बनाएं:जिलाधिकारी

कानपुर(संजय मौर्य)

इस साल "दयालुता" थीम के साथ मनाया जा रहा यह दिवस

आज आत्महत्या की घटनाएँ बढ़ी हैं । लोग जरा–जरा सी बातों पर अपने जीवन का अंत कर रहे हैं, जो कि बहुमूल्य है। हमें इस प्रवृत्ति से उबरना है। अपने आस–पास इस बात पर गौर करें कि क्या कोई ऐसा व्यक्ति उनके बीच है जो तनाव का शिकार है।

ऐसे लोगों की समय से का. उंसिलिंग हो जाए तो उनके जीवन को बचाया जा सकता है। आत्महत्या के ख्याल को दिल से निकालकर जिंदगी जीने पर ध्यान लगाएं क्योंकि जीवन अनमोल और बहुमूल्य है। यह बातें जिलाधिकारी ने उक्त बातें संगोष्ठी में कहीं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जनपदीय इकाई द्वारा यह आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने लोगों को दौड़भाग भरी जिंदगी में कुछ वक्त अपने लिए निकालने और तनावमुक्त जीवन जीने की कला सीखने पर जोर दिया।

साथ ही उन्हें योगा और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। इस मौके पर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.महेश कुमार ने संगोष्ठी का संचालन किया। डॉ कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य की परिभाषा है कि मनुष्य शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ हो। केवल बीमारी का न होना इस बात का प्रतीक नहीं है कि व्यक्ति स्वस्थ है। उसे मानसिक एवं सामाजिक रूप से भी स्वस्थ होना जरूरी है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य संघ ने विश्व के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को यथार्थवादी बनाने के लिए वर्ष 1992 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की स्थ. ापना की थी। कोरोना काल में एक तरफ जहां हर किसी के मनोदशा पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

वहीं, इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर बच्चे, बुजुर्ग समेत सभी वर्ग के लोगों में कोरोना के डर और भय को कम करने के दयालुता भाव थीम पर प्रोग्राम का आयोजन किया गया है ।

मनोचिकित्सक डॉ कलीम अहमद ने कहा कि विश्व में मान. सिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य के सहयोगात्मक प्रयासों को संगठित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। कोरोना काल में मरीजों की तादाद जहाँ बढ़ी है वहीं, हर वर्ग कहीं न कहीं मानसिक अवसाद का सामना कर रहा है। ऐसे में उनके बीच निगेटिविटी को कम करने और मानसिक समस्या को दूर करने के लिए सभी की दयालुता की ज़रूरत है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर उर्सला अस्पताल के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जिलाधिकारी कानपुर नगर ने फीता काटकर गोष्ठी का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर निदेशक , अपर निदेशक , मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, कार्यक्रम अधिकारी डॉ चिरंजीव प्रसाद , समस्त अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम इकाई के सभी सदस्यों सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

मानसिक विकार के लक्षण

चिंता–उलझन में रहना। नींद नहीं आना। स्वयं से बातें करते रहना। अपने आप में रहना और रा. ेना। दैनिक क्रियाकलापों को करने में कठिनाई। अकेले रहना। कभी रोना, बहुत ज्यादा गुस्सा करना। भ्रम करना, तनाव महसूस करना, एकाग्रता में कमी, नशा की लत पड़ना। भूलने की बीमारी, याददाश्त का कमजोर होना।

अगर इनमें से कोई भी कारण आपमें हैं तो आपको परामर्श और इलाज की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी द्वारा जागरुकता हस्ताक्षर बैनर पर सिग्नेचर कर संदेश लिखा गया ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी के प्रेमी के साथ भाग जाने पर जेल में बंद पति का आत्महत्या का प्रयास

सूरत शहर के लाजपोर जेल में हत्या के आरोप में बंद कैदी को जब पता कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई है तो उसने जहरीली दवाई पी ली।

कैदी को जेल से सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां से मौका पाते ही वह फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक सूरत के लिंबायत क्षेत्र में रहनेवाले प्रकाश शिंदे ने एक युवक की हत्या कर दी थी। हत्या के आरोप में प्रकाश और उसके भाई को गिरफ्तार किया था।

आरोपियों के रिमांड पूर्ण होने पर कोर्ट ने दोनों लाजपोर जेल भेज दिया था। चार दिन पहले प्रकाश शिंदे को पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई है। यह सदमा प्रकाश बर्दाश्त नहीं कर पाया और जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

प्रकाश को तुरंत लाजपोर जेल से सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां पिछले चार दिन से उसका उपचार चल रहा था। कैदी के वार्ड में हथकड़ी डालकर प्रकाश को रखा गया था, इसके बावजूद वह मौका पाते ही अस्पताल से फरार हो गया।

घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार कैदी प्रकाश की तलाश शुरू की है।

युवती पर युवक ने किया रेप, आरोपी समेत उसके माता–पिता भी गिरफ्तार

छोटाउदेपुर एलसीबी ने युवती को डरा धमका कर दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के वक्त घर मौजूद युवक के माता–पिता को भी पुलिस ने गिरफ्तार तीनों को सलाखों के पीछे धकेल दिया है। जानकारी के मुताबिक छोटाउदेपुर में एक संपन्न परिवार के युवक ने फेसबुक पर एक युवती से संपर्क हुआ। समय के साथ परिचय होने पर दोनों एक–दूसरे के मोबाइल नंबर का आदान प्रदान किया। जिसके बाद युवक ने युवती से प्यार का इजहार किया। लेकिन युवती ने युवक से प्रेम संबंध रखने से इंकार कर दिया। युवती के इंकार करने के बाद युवक वॉट्सएप मैसेज कर उसे परेशान करने लगा। युवक ने युवती को मिलने के बुलाया और नहीं आने पर दोनों के बीच हुई बातचीत उसके पिता को बता देने की धमकी देने लगा। युवक की हरकतों से परेशान युवती ने आखिर अपनी बहन को वास्तविकता बताई और युवक को समझाने को कहा। बाद में एक दिन युवक को समझाने युवती उसके घर पहुंच गई। जहां युवक के माता–पिता और बहन भी मौजूद थी। उस वक्त युवक युवती को घर की ऊपरी मंझिल पर ले गया और उसे धमकी दी कि यदि उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाएगी तो वह उसे बदनाम कर देगाद्य युवती के इंकार के बाद युवक ने उसे थप्पड़ मार दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही धमकी दी कि उसने किसी कहा तो वह उसे बदनाम कर देगाद्य घटना के कुछ दिन बाद युवक ने फिर युवती को मिलने बुलाया।

लेकिन युवती के इंकार करने पर युवक ने वह वीडियो पीड़िता को भेज दिया, जिसमें उसने युवती के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे।

इतना ही नहीं एक सप्ताह पहले युवक ने युवती का फेसबुक आईडी हेक कर वीडियो अपलोड कर दियाद्य युवक की हरकतों से तंग आकर आखिरकार युवती ने युवक और उसके माता–पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

दीपावली के बाद स्कूल–कॉलेज शुरू करने पर विचार कर रही है सरकार

गुजरात सरकार दीपावली के बाद राज्य में स्कूल–कॉलेज शुरू करने पर विचार कर रही है और इसकी शुरुआत कक्षा 10 और 12 हो सकती है। वैसे केन्द्र सरकार ने 15 अक्टूबर से स्कूल–कॉलेज खोलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन गुजरात में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए दीपावली के बाद ही शैक्षिक कार्य शुरू करने पर विचार किया जा रहा है।

गुजरात सरकार ने कोरोना काल में नवरात्रि से दीपावली तक के त्यौहारों के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध पहले ही लगा दिया है।

जिससे साफ है कि दीपावली से पहले राज्य में स्कूल–कॉलेज शुरू करने की सरकार मंजूरी नहीं देना चाहती है।

राज्य में दीपावली के बाद ही स्कूल–कॉलेज शुरू होने की संभावना है।

लेकिन प्राथमिक स्कूलें कब शुरू होंगी यह फिलहाल तय नहीं है। केन्द्र सरकार ने अनलॉक 5 में चरणबद्ध तरीके से स्कूल–कॉलेज शुरू करने की मंजूरी जरूर दी है,

लेकिन इस पर अंतिम फैसला राज्य सरकारों को करना है।

गुजरात के शिक्षा विभाग के मुताबिक राज्य में कोरोना की मौजूदा स्थिति को देखते हुए 15 अक्टूबर से स्कूल–कॉलेज शुरू नहीं होंगी। दीपावली के बाद ही माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों समेत कॉलेज खोलने पर विचार किया जा रहा है। हांलाकि इस मामले में विभिन्न पहलुओं विचार और विशेषज्ञों के साथ बैठक के बाद ही अंतिम फैसला किया जाएगा और उसके आधार पर गुजरात सरकार मार्गदर्शिका जारी करेगी।

बुनियादी सेवाओं में बढ़ोतरी कर नगरों को बनाना है रहने लायक व खुशहालः मुख्यमंत्री

वीरमगाम में 2.88 करोड़ के खर्च से नवनिर्मित टाउन हॉल का रूपाणी ने किया ई–लोकार्पण

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाण ी ने राज्य के नगरों में आधारभूत सुविधाओं में बढ़ोतरी कर ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन जीने की सुगमता के जरिए नगरों को खुशहाल और रहने लायक बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। शनिवार को अहमदाबाद जिले के वीरमगाम शहर में 2.88 करोड़ रुपए के खर्च से तैयार नए टाउन हॉल का गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लोकार्पण करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि गुजरात के नगरों को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए ऐसा सुदृढ़ नगर विकास आयोजन विकसित किया है कि वे दुनिया के नगरों व शहरों की तुलना में खड़े रह सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता की कमान संभाली है, तब से राज्य के शहरों व नगरों का विकास योजनाबद्ध तरीके से और तेजी से हुआ है। राज्य में तेज गति से हो रहे शहरीकरण के चलते शहरी आबादी 45 फीसदी से अधिक हो गई है और अब 50 फीसदी लोग गांव में तथा 50 फीसदी लोग नगरों में रहते हैं। ऐसे में, राज्य सरकार नगरों में बुनियादी सेवाओं को व्यापक बनाकर ईज ऑफ लिविंग को बढ़ाने को कटिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के नगरों को रहने लायक, खुशहाल और जीवन जीने लायक बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए ऐसे नगरों व गांवों के निर्माण की अभिलाषा जताई जहां व्यक्ति अपनी अंतिम सांस तक रहना पसंद करे। उन्होंने कहा कि राज्य के नगरों मे समस्याओं का अंबार न हो बल्कि व्यथा के स्थान पर व्यवस्था हो, ऐसे वातावरण का निर्माण हमने किया है। स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत वीरमगाम में निर्मित टाउन हॉल का शुभारंभ करते हुए श्री रूपाणी ने कहा कि नगरपालिकाएं विकास कार्यों की योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित करे, राज्य सरकार उसके लिए पर्याप्त धन मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा वीरमगाम के ऐतिहासिक मुनसर तालाब का विकास और संवर्धन करने की है। उन्होंने कहा कि गांव या नगर के तालाब, सार्वजनिक स्थल व भवन, सड़कें, सीवर व्यवस्था और जलापूर्ति की व्यवस्था आदि नगर की पहचान होती है। श्री रूपाणी ने कहा कि विभिन्न समारोहों को मनाने या कार्यक्रम आयोजित करने के लिए टाउन हॉल की सुविधा उपयोगी साबित होती है। टाउन हॉल शब्द अंग्रेजों के जमाने से प्रचलित है। ऐतिहासिक स्मृतियां टाउन हॉल में गूंजती हैं। टाउन हॉल की सभाएं, समारोह व उत्सव यादगार और ऐतिहासिक बन जाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि वीरमगाम का स्वामी विवेकानंद टाउन हॉल भी विकास कार्यक्रमों और विकास चर्चाओं का केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरपालिका के शासक भविष्य को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों और विकास की योजनाएं बनाएं ताकि 'जहां नागरिक, वहां सुविधा' का संकल्प साकार हो सके। नगरों में सभी आवश्यक सुविधाएं, जनकल्याण के सभी प्रकल्पों को कोने–कोने तक पहुंचाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है और इसके लिए सरकार नगरपालिका के साथ खड़ी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने वीरमगाम नगरपालिका के अग्रणियों और उपस्थित लोगों से सौ फीसदी घरों को नल से जल पहुंचाने का आयोजन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आयोजन ऐसा होना चाहिए कि छोटी झुग्गी हो या फिर बड़ा बंगला हर किसी तक शुद्ध पेयजल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन सेवा सेतु कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि गांव के नागरिकों तक सामान्य उपयोगी सेवाएं अब डि. जिटली पहुंची हैं। भ्रष्टाचार और बिचौलियों का खात्मा हुआ है। दिसंबर, 2020 तक आठ हजार गांवों को इसके अंतर्गत कवर कर लिया जाएगा जबकि 2021 में राज्य के 14 हजार गांवों को डिजिटल सेवा सेतु के अंतर्गत शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर लोक प्रशासन में टेक्नोलॉजी के भरपूर उपयोग पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आवश्यक है कि नगरपालिका के नेता इस बात पर विचार करें कि नगर का हित किसमें है। विकास करने वाले नेताओं को लोग याद रखते हैं जबकि बाकी सभी पदाधि ाकारियों के लिए कुछ वर्षों का शासन सुख भोगने के बाद भूतपूर्व बनना निश्चित होता है। वीरमगाम नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती रेखाबेन पंड्या ने इस अवसर पर नवनिर्मित टाउन हॉल को 'स्वामी विवेकानंद टाउन हॉल' नाम दिया। 288.70 लाख रुपए की लागत से निर्मित दो मंजिला टाउन हॉल तमाम आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है।

निद्राधीन पिता की पुत्र ने हत्या कर दी

अहमदाबाद शहर के आंबली क्षेत्र में एक युवक ने अपने निद्राधीन पिता पर हमलाकर उसे हमेशा की नींद सुला दिया।

सरखेत पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के आंबली क्षेत्र में औडा के मकान में रहनेवाले मगनभाई रबारी बतौर सिक्युरिटी गार्ड नाइट शिफ्ट में काम करते थे। रात्रि ड्यूटी कर घर लौटे मगनभाई रबारी दोपहर के वक्त सो रहे थे।

उस वक्त उनके पुत्र सुरेश रबारी ने निद्राधीन पिता के सिर पर लकड़ी से हमला कर दिया। हमले में सिर में गंभीर चोट लगने से मगनभाई रबारी की मौत हो गई। मृतक मगनभाई की पुत्री की शिकायत के आधार पर सरखेज पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर सुरेश रबारी को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच में पता चला कि सुरेश चाहता था कि उसके पिता पारिवा. रिक जमीन और आभूषण बेचकर उसे रुपए दें।

लेकिन पिता ने जमीन और आभूषण बेचने से इंकार कर दिया था। जिसकी वजह से सुरेश अपने पिता से नाराज था और उसी बात को लेकर उसने अपने पिता की हत्या कर दी।

भाजपा ने विपक्ष के नेता गढ़ में लगाई सेंध, कई कांग्रेसी भाजपा में शामिल

अमरेली विपक्ष के नेता परेश धानाणी के गढ़ में सेंध लगाने में भाजपा को सफलता मिली है।

कई कांग्रेसियों के भाजपा में शामिल होने से अमरेली की राजनीति गरमा गई है।

स्थानीय निकाय चुनाव से पहले आधा दर्जन नेताओं के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है।

अमरेली जिले की राजूला तहसील के जूनी बारपटोली गांव में भाजपा की बैठक हुई थी। जिसमें प्रभारी धर्मेन्द्रसिंह जाडेजा और पूर्व संसदीय सचिव हीराभाई सोलंकी उपस्थित थे।

उस वक्त तहसील पंचायत के पूर्व प्रमुख मीठा लाखणोत्रा, तहसील पंचायत के पूर्व प्रमुख बलवंत लाडुमोर समेत कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो गए। धर्मेन्द्रसिंह जाडेजा ने कांग्रेस नेताओं को भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया।

पश्चिम रेलवे द्वारा तेजस एक्सप्रेस सहित गुजरात से कुल 5 और विशेष ट्रेनों का परिचालन

यात्रियों की सुविधा के लिए, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई – अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस सहित 4 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। अहमदाबाद मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार झा के अनुसार, ये ट्रेनें प्रस्थान की तारीखों के अनुसार अगली सूचना तक जारी रहेंगी।

– ट्रेन सं. 02945/02946 मुंबई सेंट्रल–ओखा सुपरफास्ट विशेष सौराष्ट्र मेल (प्रतिदिन)

ट्रेन सं. 02945 मुंबई सेंट्रल–ओखा विशेष ट्रेन 15 अक्टूबर, 2020 से मुंबई सेंट्रल से 21.35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15.35 बजे ओखा पहुँचेगी। इसी प्रकार ट्रेन सं. 02946 ओखा–मुंबई सेंट्रल विशेष ट्रेन 16 अक्टूबर, 2020 से ओखा से 13.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में दादर, बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेन्द्रनगर, राजकोट, जामनगर तथा द्वारका स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी ᥰ टियर, एसी ᥰᥰ टियर, शयनयान तथा द्वितीय श्रेणी सीटिंग के डिब्बे होंगे।

– ट्रेन नं.02971/02972 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस (त्रि–साप्ताहिक)

ट्रेन नंबर 02971 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर टर्मिनस स्पेशल 17 अक्टूबर, 2020 से बांद्रा (टी) से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 21.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 10.30 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02972 भावनगर टर्मिनस – बांद्रा (टी) स्पेशल 16 अक्टूबर, 2020 से भावनगर टर्मिनस से प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को 18.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 08.35 बजे बांद्रा (टी) पहुंचेगी। यह ट्रेन अंधेरी, बोरीवली, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वड़ोदरा, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर गेट, जोरावरनगर, लिंबडी, रणपुर, बोटाद, धोला, सोनगढ़, सिहोर, गुजरात और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टीयर, एसी 3 टीयर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।

– ट्रेन नंबर 09003/09004 बांद्रा टर्मिनस – भुज एसी स्पेशल एक्सप्रेस (त्रि–साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09003 बांद्रा टर्मिनस – भुज स्पेशल 16 अक्टूबर, 2020 से प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार और रविवार को बांद्रा (टी) से 23.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 12.40 बजे भुज पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09004 भुज – बांद्रा (टी) स्पेशल 17 अक्टूबर, 2020 से भुज से प्रत्येक सोमवार, गुरुवार और शनिवार को 15.55 बजे रवाना होगी और अगले दिन 05.15 बजे बांद्रा (टी) पहुंचेगी। यह ट्रेन बोरिवली, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, सामाखियाली और गांधीधाम स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में ैप्ज ।ब्, ।ब 2 ज्पमत और ।ब 3 ज्पमत कोच शामिल हैं।

– ट्रेन नंबर 02941/02942 भावनगर – आसनसोल सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

ट्रेन नंबर 02941 भावनगर टर्मिनस – आसनसोल स्पेशल 20 अक्टूबर, 2020 से प्रत्येक मंगलवार को भावनगर टी से 17.30 बजे रवाना होकर गुरुवार को 10.25 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02942 आसनसोल – भावनगर टर्मिनस स्पेशल 22 अक्टूबर, 2020 से गुरुवार को 19.45 बजे आसनसोल से रवाना होगी और शनिवार को भावनगर टी पर 11.10 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन सोनगढ़, धोला जं., बोटाद, जोरावरनगर, विरमगाम, अहमदाबाद, नडियाद, वड़ोदरा, दाहोद, रतलाम, शामगढ़, भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, दीनदयाल उपाध्याय जं, भबुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण, गया, कोडरमा, पारसनाथ और धनबाद दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टीयर, एसी 3 टीयर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।

– ट्रेन नं 82901/82902 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस (गुरुवार को छोड़कर)

ट्रेन नंबर 82901 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस 17 अक्टूबर, 2020 से मुंबई सेंट्रल से 15.35 बजे रवाना होगी और उसी दिन 21.55 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 82902 अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस 17 अक्टूबर, 2020 से अहमदाबाद से 06.40 बजे रवाना होगी और उसी दिन 13.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन अंधेरी, बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा और नडियाद स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी चेयर कार और कार्यकारी एसी चेयर कार कोच शामिल हैं। इस ट्रेन के लिए अंधेरी स्टेशन पर ठहराव अस्थायी आधार पर प्रदान किया गया है, जब तक कि आम जनता को उपनगरीय ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति नहीं है।

ट्रेन नंबर 09003/09004 की बुकिंग 11 अक्टूबर, 2020 से खुलेगी। ट्रेन नंबर 02945/02946, के लिए 12 अक्टूबर, 2020 से खुलेगी। ट्रेन नंबर 02971/02972 के लिए 13 अक्टूबर, 2020 से बुकिंग शुरू होगी। और ट्रेन संख्या 02941 के लिए 15 अक्टूबर, 2020 से निर्धारित पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त सभी ट्रेनें पूरी तरह से आरक्षित ट्रेनों के रूप में चलेंगी। तेजस एक्सप्रेस के लिए बुकिंग केवल आईआरसीटीसी वेबसाइट और आईआरसीटीसी के करंट आरक्षण काउंटरों पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)